मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-317, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

आत्मीय भेंट

सीएम यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए पीएम मोदी को किया आमंत्रित



एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आत्मीय भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में जारी विकास कार्यों, जनकल्याणकारी पहलों, उपलब्धियों, निवेश और प्रदेश की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2027 में मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रित किया। उन्होंने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के संबंध में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 सितंबर से प्रदेश में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी। उन्होंने अभियान के माध्यम से जनभागीदारी, सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न आयोजनों के बारे में अवगत कराया।

इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटील से भेंट कर मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन और योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को गति देने के लिए केन्द्र सरकार से आवश्यक सहयोग और लंबित विषयों के शीघ्र निराकरण का अनुरोध किया।

पटाखों पर पूरी तरह बैन नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा.....

केंद्र सरकार तय करे समय और मानक

एजेन्सी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पटाखों पर बैन हटाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पूरे देश में पटाखों पर बैन लगाना मुमकिन नहीं है। पूरी पाबंदी से लोगों की भावनाएं आहत होंगी। हालांकि 24 घंटे आतिशबाजी की इजाजत भी नहीं दी जा सकती। पटाखे चलाने के लिए समय तय करना होगा, जिससे कि त्योहार भी मनाया जा सके और लोगों को परेशानी भी न हो। जस्टिस एमएम सुंदरैश और पीबी वराले की बैंच ने कहा कि धार्मिक भावनाओं, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

बैंच ने केंद्र सरकार और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को पटाखों के बेरियम की जांच, डेसिबल लेवल तय करने और फायर टेस्ट के लिए समय भी दिया। इस मामले की अगली सुनवाई 15 अक्तूबर को



होगी। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने एक नोट पेश किया। इसमें कुछ खास नेक्स्ट-जेनरेशन जॉइंट ग्रीन क्रैकर्स को सीमित और शर्तों के साथ छूट देने पर विचार की बात कही गई। इन पटाखों को काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च-नेशनल एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से विकसित किया गया है।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कोर्ट सख्त, केंद्र; दिल्ली सरकार, पुलिस और कैब सर्विस प्रोवाइडर्स को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में ऐप-बेस्ड कैब, बाइक-टैक्सी और दूसरी राइड-हेलिंग सेवाओं में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को दायर जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की डिवीजन बेंच ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस और प्रमुख ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट कंपनियों से जवाब मांगा है। जिन पक्षों को नोटिस जारी किया गया है, उनमें उबर, रैपिडो और ओला शामिल हैं। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट विकास गुप्ता पेश हुए। याचिकाकर्ता आदित्य सहगल ने ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट सेवाओं में मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा और सभी संबंधित प्लेटफॉर्म के



लिए अनिवार्य सुरक्षा प्रोटोकॉल और एसओपी बनाने की मांग की है। याचिका में ड्राइवर के वेरिफिकेशन और आपराधिक रिकॉर्ड की जांच, ड्राइवर और वाहन की पहचान, रूट बदलने, एमरजेंसी रिस्पॉन्स, शिकायतों के निपटारे, इलेक्ट्रॉनिक सबूत सुरक्षित रखने और ऐप कंपनियों तथा पुलिस के बीच बेहतर समन्वय जैसे मुद्दे उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता ने पहले कैब एग्रीगेटर सर्विस कंपनियों और दिल्ली पुलिस कमिश्नर को अभ्यावेदन देकर मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखी थीं। याचिका में दावा किया गया है कि इन अभ्यावेदनों के जवाब में उठाई गई विशिष्ट चिंताओं का पर्याप्त समाधान नहीं किया गया। पिटीशन में महिलाओं से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं का भी हवाला दिया गया है।

ईडी का आरोप-यासीन मलिक समेत 7 को पाकिस्तान से फंडिंग, हवाला से 9 करोड़ आए

एजेन्सी, नई दिल्ली

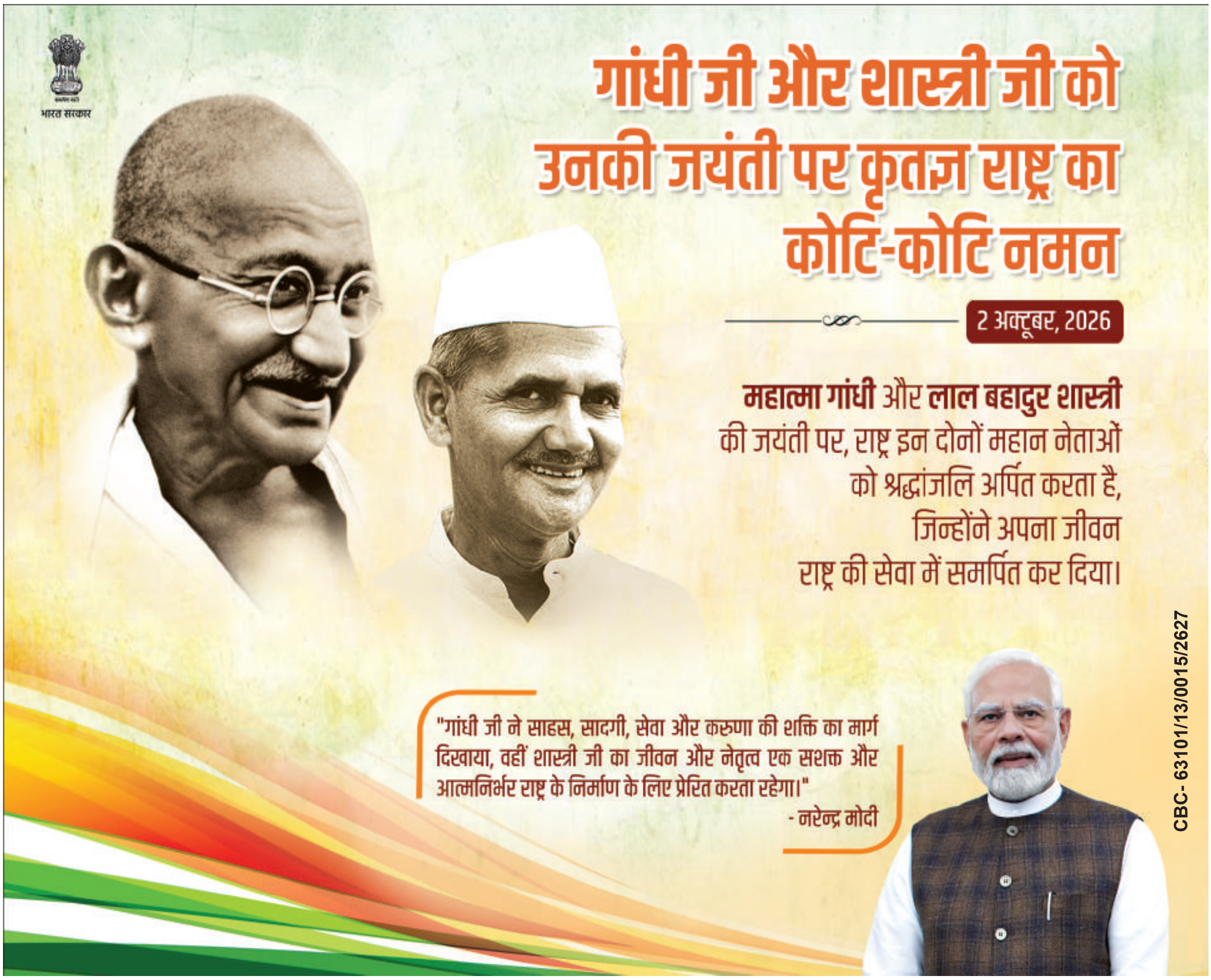
नई दिल्ली की स्पेशल NIA कोर्ट ने यासीन मलिक समेत 7 आरोपियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत है, जिससे उन पर मजबूत संदेह होता है। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि आरोपियों ने पाकिस्तान और अन्य आतंकी संगठनों से हवाला और अलग-अलग माध्यमों से 8.94 करोड़ लिए। इस रकम को आरोपियों तक पहुंचाई गई। मलिक के अलावा आरोपियों में जहूर अहमद शाह वटाली, अब्दुल राशिद शेख, शबीर अहमद शाह, नवल किशोर



कपूर, ट्रिसन फार्म्स एंड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और मसरत आलम भट शामिल हैं। ED ने अपराध से अर्जित रकम की जांच के लिए 14 जून 2017 को शिकायत दर्ज की थी।

अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी

कोर्ट ने NIA की दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट का जिक्र करते हुए कहा कि यासीन मलिक को सऊदी अरब से 15.75 लाख मिले थे। 30 सितंबर को सुरक्षा कारणों से कुछ आरोपियों को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी। एऊके मुताबिक, यासीन मलिक जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट का प्रमुख था। संगठन 1990 के दशक से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों और हिंसा में शामिल रहा है। जहूर अहमद शाह वटाली के यहां से जब्त दस्तावेजों में विदेशी फंडिंग की जानकारी मिली थी। इनके मुताबिक, वित्त वर्ष 2015-16 में जहूर अहमद शाह वटाली के जरिए यासीन मलिक, शबीर अहमद शाह और मसरत आलम को विदेशी रकम मिली थी।



महात्मा गांधी जी के स्वच्छता ही सेवा के संदेश को समर्पित सेवा पखवाड़ा

वीयू-मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता व श्रमदान कार्य किया गया





एक सत बुलेटिन, जबलपुर

गांधी जयंती एवं राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जी के स्वच्छता ही सेवा के संदेश को समर्पित सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रोफेसर (डॉ.) मनदीप शर्मा जी के कुशल मार्गदर्शन एवं अभिप्रेरणा तथा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. एस. के. महाजन जी के निर्देशन में संपन्न हुआ। 'सेवा पखवाड़ा' के तहत आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सेवाभाव के साथ महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और श्रमदान किया। विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर, शैक्षणिक भवनों के आसपास के क्षेत्रों तथा खेलकूद परिसर (प्लेग्राउंड) की सफाई की गई। इस दौरान छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. माधुरी शर्मा, डॉ. प्रीति मिश्रा, एन.एस.एस. इकाई प्रभारी डॉ. सोना दुबे, प्रबंधक प्रक्षेत्र श्री शिवमोहन सिंह, टीचिंग एसोसिएट प्रतीक कुमार तिवारी, अनिल केवट, प्रियंका गौतम एवं कर्मचारीगण शाम्भवी शेवड़े, अर्चना शर्मा, इमरान खान, बीरबल कुलस्ते, लक्ष्मी कोरी सहित समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने भी छात्रों के साथ श्रमदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. महाजन जी ने छात्रों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि 'सेवा पखवाड़ा' का मुख्य उद्देश्य युवाओं में समाज सेवा, श्रम का सम्मान और स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना है। परिसर एवं खेलकूद मैदान को स्वच्छ रखकर छात्र न केवल एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण कर रहे हैं, बल्कि नागरिक दायित्वों का भी निष्ठापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा एन एस एस इकाई प्रभारी डॉ सोना दुबे द्वारा तैयार की गई।

रक्षा लेखा का 279वाँ स्थापना दिवस मना, 80 पार साथियों का सम्मान



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रक्षा लेखा विभाग का 279वाँ स्थापना दिवस गुरुवार, 1 अक्टूबर को सदर कॉफी हाउस में द्वैमासिक मिलन समारोह के साथ मनाया गया। आयोजन डैड क्लब जबलपुर के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने किया। हर्षोल्लास और आत्मीय माहौल में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त साथी जुटे। कार्यक्रम में क्लब के 80 वर्ष और उससे अधिक आयु पूर्ण कर चुके साथियों का विशेष सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में एस.पी. त्रिपाठी, डी.पी. यादव, बी.एल. मल्होत्रा, गजेन्द्र खरबंदा, पी.सी. सक्सेना, राजा राम नामदेव और एच.सी. पटेल शामिल रहे। उपस्थित सदस्यों ने पुष्पहारों से इनका स्वागत और अभिनंदन किया। इस मौके पर पंडित राम नरेश तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी को चंदन तिलक लगाया और श्रीफल भेंट किया। यह सम्मान समारोह का सबसे भावपूर्ण आकर्षण रहा समारोह में एस.के. मुदगिल ने प्रोजेक्टर के माध्यम से रक्षा लेखा विभाग के इतिहास, स्थापना दिवस और उपलब्धियों पर प्रस्तुतीकरण दिया. आयोजन के संयोजक जी.एस. हरियाल रहे, जिनके सौजन्य और सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ। व्यवस्थाओं में के.पी. सिंह, राकेश चंदेल, बी.एस. स्वर्णकार और एस.के. बर्मन सहित अन्य साथियों का विशेष योगदान रहा. समारोह में राजेंद्र ब्यौहार, संजय आप्टे, एस.के. राव, अरुण जोशी, अशोक विचपुरिया और ललित बाबेल सहित अनेक सेवानिवृत्त साथी मौजूद रहे।

दो हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी रंगे हाथों गिरफ्तार

जबलपुर। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) जबलपुर की टीम ने गुरुवार को आधारताल तहसील में पदस्थ पटवारी मनोज बघेल को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। पटवारी पर दुकान के नामांतरण के लिए पांच हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। ईओडब्ल्यू के अनुसार कटंगी निवासी शरद विश्वकर्मा ने शिकायत की थी कि उनकी मां राधा विश्वकर्मा ने ग्रीन सिटी, माढ़ोताल, जबलपुर स्थित एक दुकान खरीदी थी। दुकान के नामांतरण की कार्रवाई के लिए आधारताल तहसील के पटवारी मनोज बघेल द्वारा पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत के सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई।इसके बाद ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम ने गुरुवार 1 अक्टूबर 2026 को कार्रवाई की। कृषि उपज मंडी, मनमोहन नगर स्थित गायत्री मंदिर के पास ट्रैप कार्रवाई के दौरान पटवारी मनोज बघेल को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया गया। तहसील कार्यालय आधारताल, जबलपुर में पदस्थ है। ईओडब्ल्यू ने उसके विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम संशोधित 2018 की धारा 7(ए) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शैल्वी अस्पताल में महिला की मौत, परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



विजयनगर स्थित शैल्वी अस्पताल में पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंची पनागर के बिजोरा गांव निवासी भगवती पटेल की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका के पुत्र एडवोकेट जितेंद्र पटेल ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जांच के बाद कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आशीष तिवारी ने हृदय की नसों में ब्लॉकेज बताते हुए तत्काल सर्जरी की और ऑपरेशन के करीब छह घंटे बाद उनकी मां की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में विरोध जताते हुए जांच की मांग की।

बीमा पॉलिसी के आधार पर इलाज कराने का आरोप

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ को स्वास्थ्य बीमा की जानकारी मिलने के बाद उपचार की दिशा बदल गई और सर्जरी का निर्णय जल्दबाजी में लिया गया। उनका दावा है कि महिला को पहले हृदय संबंधी कोई बीमारी या लक्षण नहीं थे। उपचार के बाद अस्पताल की ओर से करीब 2.5 लाख रुपये का बिल बनाया गया। महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल से शव सौंपने की मांग की, लेकिन उनका आरोप है कि इसमें भी काफी देर की गई। इससे परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में हंगामा किया। बाद में शव परिजनों को सौंपा गया। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उपचार और सर्जरी की आवश्यकता की वास्तविकता सामने लाने की मांग की।

हिंदू-मुस्लिम धर्मावलंबियों ने पेश कीं चादरें शरीफ, तीसरे उर्स मेले हाजरी पेश करने पहुचें अक़ीदतमंद

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मदन महल पहाड़ी पर स्थित हजरत पीराने पीर की दरगाह शरीफ में ग्यारहवीं शरीफ के तीसरे उर्स मेले का आयोजन अकीदत और मोहब्बत के माहौल में किया गया। इस मौके पर सैकड़ों की तादाद में जायरीन और अकीदतमंदों ने दरगाह शरीफ में हाजिरी पेश की। बड़ी संख्या में लोगों ने चादरें और निशान शरीफ पेश कर दुआएं मांगीं। नजर-नियाज पेश करने के साथ लंगर का भी आयोजन किया गया, जिसे जायरीन में तकसीम किया गया। मेले में हिंदू धर्मावलंबियों ने भी बड़ी संख्या में दरगाह पहुंचकर सलामी पेश की और अपनी मन्नतें मांगीं। प्रमुख रूप से मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी की सरपरस्ती में दरबार-ए-पहलवान गांधी व्यायामशाला रांझी के तत्वावधान में दरगाह शरीफ में चादर पेश की गई। चादर शरीफ रांझी दरबार से शाम 5 बजे रवाना हुई, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए मदन महल दरगाह शरीफ पहुंची। दरगाह पहुंचने पर अकीदत के साथ चादर शरीफ पेश की गई। इस दौरान मुल्क और शहर में अमन-ओ-अमान, खुशहाली एवं भाईचारे के लिए दुआ की गई। अपराह्न जुहर की नमाज के बाद मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी की सदारत में जलसा-ए-गौसिया आयोजित किया गया। इसमें सज्जादानशीन खलीफा इनायत कादरी ने गौसे आजम की सीरत पर रोशनी डाली। वहीं बासित अली कादरी ने नात शरीफ और मनकबत पाक पेश की। इस मौके पर बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे और दरगाह शरीफ में हाजिरी देकर फैज हासिल किया। दरगाह परिसर में मुरीदों और मुजावरों की आमद दिनभर बनी रही। कार्यक्रम के दौरान सज्जादानशीन सूफी मुबारक कादरी, निजाम कादरी, आफताब कादरी, आबिद कादरी, इदरीस कादरी, अब्बू बाबा कादरी, अफजल कादरी, एजाज कादरी गोलू, फैजान कादरी और शानू कादरी ने हाजरीन की दस्तारबंदी कर इस्तकबाल किया।

मैहर मेले में यात्री सुविधाओं को लेकर रेलवे और जिला प्रशासन की बैठक

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

आगामी मैहर मेले के दौरान श्रद्धालुओं और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रेलवे और जिला प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में मेले के दौरान रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में होल्डिंग एरिया और पेयजल टैंकर उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर चर्चा हुई। रेलवे के अनुसार सीएसआर के तहत विभिन्न सीमेंट कंपनियों द्वारा होल्डिंग एरिया एवं पेयजल टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे। रेलवे के अनुसार सीएसआर के तहत विभिन्न सीमेंट कंपनियों द्वारा होल्डिंग एरिया एवं पेयजल टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला प्रशासन की ओर से मोबाइल शौचालय, एम्बुलेंस और अग्निशमन वाहन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। मेले के दौरान स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए शौचालय, प्रतीक्षालय और खान-पान स्टॉल की पर्याप्त व्यवस्था के साथ अतिरिक्त पूछताछ काउंटर और टिकट काउंटर शुरू करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मेले की अवधि में यात्रियों की संख्या को देखते हुए विशेष ट्रेनों के संचालन और नियमित ट्रेनों के अस्थायी ठहराव की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। बैठक में पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त मुनव्वर खान, सतना एरिया मैनेजर नरेंद्र सिंह और मैहर स्टेशन प्रबंधक राजेश कुमार उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की ओर से तहसीलदार जितेंद्र पटेल, सीएसपी महेंद्र कुमार चौहान एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वीकृति के बावजूद संविदा कर्मियों की नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने ऊर्जा क्षेत्र की बिजली कंपनियों में कार्यरत संविदा कर्मियों की नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं होने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि नियमित नियुक्ति की योजना को स्वीकृति मिलने के बावजूद दो माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन इसके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रक्रिया अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाई है। राकेश डीपी पाठक ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र की विभिन्न बिजली कंपनियों में परीक्षा के माध्यम से चयनित संविदा कर्मी कई वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर तथा ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बाद जुलाई 2026 में ऊर्जा विभाग ने संविदा आधार पर नियुक्त कर्मियों को स्वीकृत नए समकक्ष नियमित रिक्त पदों पर नियुक्ति देने की स्वीकृति प्रदान की थी। उन्होंने बताया कि विभागीय आदेश में नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। संविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति देने की भर्ती प्रक्रिया बाह्य स्रोत एजेंसी के माध्यम से संचालित करने के लिए मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को नोडल कंपनी बनाया गया है।

फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि निर्धारित समय सीमा में प्रक्रिया पूरी करने के लिए अब तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। संविदा कर्मियों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन लेना, बाह्य स्रोत एजेंसी का चयन करना तथा परीक्षा की संभावित तिथि से कर्मचारियों को अवगत कराने जैसी कार्रवाई शीघ्र शुरू की जानी चाहिए।

हिंदू राष्ट्र यात्रा के जवाब में बहुजन राष्ट्र यात्रा निकालेंगे

जबलपुर। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एवं दलित-पिछड़ा-आदिवासी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव मंडल ने धीरेंद्र शास्त्री की प्रस्तावित हिंदू राष्ट्र यात्रा को लेकर विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा ऐसी यात्रा को नहीं रोका गया तो इसके विरोध में आजाद समाज पार्टी प्रदेशभर में बहुजन राष्ट्र की मांग को लेकर यात्रा निकालेगी, जिसकी शुरुआत जबलपुर से की जाएगी।जबलपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में यादव मंडल ने आरोप लगाया कि धीरेंद्र शास्त्री समाज में अंधविश्वास और पाखंड को बढ़ावा दे रहे हैं।

कचरा कल्चर की मानसिकता से उबरने की जरूरत, पीआईबी की ठोस अपशिष्ट पर वार्तालाप का आयोजन

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



हमको कचरा कल्चर की मानसिकता से ऊपर उठना होगा और स्वच्छता को हमारी जिम्मेदारी में शामिल करना चाहिए। यह एक ऐसा काम है जो हम दूसरों पर नहीं छोड़ सकते बल्कि हमें स्वयं को इसमें लगाना होगा । इस आशय के विचार जबलपुर नगर निगम के महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू भैया ने पीआईबी भोपाल द्वारा आयोजित विकसित भारत 2047 एवं ठोस अवशिष्ट प्रबंधन पर केंद्रित एक दिवसीय मीडिया वार्तालाप कार्यक्रम में व्यक्त किये। श्री सिंह ने कहा कि इस समय देश में जबलपुर कचरे के निपटान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां पर न सिर्फ बड़ी मात्रा में कचरा का निपटान हो रहा है बल्कि जबलपुर दूसरे शहरों को भी एक नई दिखा रहा है । मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री सिंह ने कहा कि जबलपुर में भोपाल और प्रयागराज से भी कचरा निपटान के लिए आता है। उन्होंने दुबई कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा कि दुबई की उस कॉन्फ्रेंस में भी जबलपुर के कचरा निपटान के विषय में चर्चा हुई ।

जबलपुर के उभरते कलाकार भगवान दास पटेल का नागरिक अभिनंदन

JART-365 एवं युवा पंजाबी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन ने किया सम्मान

एक सत बुलेटिन, जबलपुर





होटल अरिहंत पैलेस में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में जबलपुर एस राउंड टेबल 365 (छ्त्रक्ष-365) एवं युवा पंजाबी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जबलपुर के उभरते अभिनेता एवं रंगकर्मी भगवान दास पटेल का भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। भगवान दास पटेल ने हाल ही में प्रदर्शित फिल्म 'हनुमान अंश' (2026) में 'गोपाल दास बहेलिया' का किरदार निभाया है। उनके अभिनय को दर्शकों और फिल्म जगत से सराहना मिल रही है। बुंदेलखंडी भाषा एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के साथ फिल्म जगत में जबलपुर का गौरव बढ़ाने के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। भगवान दास पटेल इससे पूर्व 'कटहल' (2023), 'थार' (2022), 'फोटोग्राफ' (2019) और 'प्रेम रतन धन पायो' (2015) सहित विभिन्न फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। समारोह में वक्ताओं ने उनके अभिनय के प्रति समर्पण, मेहनत और संघर्ष की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में के चेयरमैन साहिल खनीजो, वाइस चेयरमैन विशेष जग्गी, सचिव प्रणव माधवानी, कोषाध्यक्ष विख्यात सबलोक, ट्रष्टि आनंद शामदासानी, युवा पंजाबी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष अंकित ग्रोवर सहित डॉ. अभिलाष शंकरन, मनमीत सिंह छाबड़ा, गगनदीप खन्ना, रोहन कोहली, अकांश अग्रवाल, अभिनव जैन एवं अंशुल चावला सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। उन्हें भविष्य में भी जबलपुर और बुंदेलखंड की कला एवं संस्कृति को नई पहचान दिलाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिए स्पष्ट निर्देशः-

गुना और शिवपुरी के प्रत्येक वार्ड में दिखेगा स्वच्छता अभियान का असर

■ एक सत बुलेटिन, **गुना/शिवपुरी।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करने के लिए चलाए जा रहे स्वच्छ भारत मिशन को गति देते हुए केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना और शिवपुरी जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अलग-अलग बैठकें कर दोनों जिलों में व्यापक स्वच्छता अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर से लेकर सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती 31 अक्टूबर तक स्वच्छ भारत मिशन के तहत विशेष अभियान 6.0 चलाया जा जाएगा। इसके तहत केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बैठक में गुना और शिवपुरी जिले में भी स्वच्छता, नागरिक सुविधाओं और बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया। बैठक में प्रत्येक वार्ड को स्वच्छ, व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता अभियान केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि इसका असर धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दशहरा से पहले दोनों जिलों के प्रत्येक वार्ड में



स्वच्छता अभियान के ठोस परिणाम दिखने चाहिए। उन्होंने कहा कि नवरात्रि में मां दुर्गा का आगमन स्वच्छ और सुंदर वातावरण में हो, यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है चार प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित होगा अभियान केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए है।स्वच्छता एवं जल निकासी प्रबंधन पर विशेष फ़ोकस



रखने।को निर्देशित किया गया है। प्रत्येक वार्ड में नियमित साफ-सफाई, नालियों की सफाई, जलभराव की समस्या का समाधान और सुचारु जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करना है। शहर में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना तथा आम नागरिकों की आवाजाही को सुगम बनाने पर भी विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर विद्युत-प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने को निर्देशित किया गया है। खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, सड़कों के गड्ढों को भरना, पैचवर्क कराना तथा आवागमन योग्य सड़कों की स्थिति सुनिश्चित करने को निर्देश दिया गया है। अभियान को जनभागीदारी और प्रशासनिक समन्वय के साथ संचालित करने के लिए केंद्रीयमंत्री सिंधिया ने प्रत्येक वार्ड में 20 से 25 सदस्यीय टीमों के गठन के निर्देश दिए। इन टीमों में प्रशासनिक अधिकारियों, नगर पालिका के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय स्तर पर जुड़े लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

त्योहारी सीजन पर इटारसी होकर विभिन्न रूटों पर 5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलेगी

दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान यात्रियों को स्पेशल ट्रेनों के संचालन से मिलेगी राहत

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

आगामी पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन विशेष रेलगाड़ियों के इटारसी स्टेशन होकर गुजरने से भोपाल मंडल के यात्रियों को भी विभिन्न प्रमुख शहरों के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध होगी। इटारसी होकर संचालित होने वाली प्रमुख 5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है– 1. लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक स्पेशल (गाड़ी संख्या 01123/01124) गाड़ी संख्या 01123 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को दिनांक 11 अक्टूबर से 20 नवंबर 2026 तक कुल12 फेरे संचालित होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01124 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार को दिनांक 13 अक्टूबर से 22 नवंबर 2026 तक कुल 12 फेरे संचालित होगी। इटारसी स्टेशन पर समयः गाड़ी संख्या 01123: आगमन 23:56 बजे, प्रस्थान 00:01 बजे (अगले दिन)। गाड़ी संख्या 01124: आगमन 02:00 बजे, प्रस्थान 02:05 बजे। 2. पुणे-गोरखपुर-पुणे दैनिक स्पेशल (गाड़ी संख्या 01415/01416) गाड़ी संख्या 01415 पुणे-गोरखपुर स्पेशल दिनांक 16 अक्टूबर से 16 नवंबर 2026 तक कुल 32 फेरे संचालित होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01416 गोरखपुर-पुणे स्पेशल दिनांक 17 अक्टूबर से 17 नवंबर



2026 तक कुल 32 फेरे संचालित होगी। इटारसी स्टेशन पर समयः गाड़ी संख्या 01415: आगमन 21:10 बजे, प्रस्थान 21:20 बजे। गाड़ी संख्या 01416: आगमन 12:10 बजे, प्रस्थान 12:20 बजे। 3. लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस दैनिक स्पेशल (गाड़ी संख्या 01079/01080) गाड़ी संख्या 01079 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल दिनांक 16 अक्टूबर से 16 नवंबर 2026 तक कुल 32 फेरे संचालित होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल दिनांक 18 अक्टूबर से 18 नवंबर 2026 तक कुल 32 फेरे संचालित होगी। इटारसी स्टेशन पर समयः - गाड़ी संख्या 01079: आगमन 13:05 बजे, प्रस्थान 13:15 बजे। गाड़ी संख्या 01080: आगमन 08:40 बजे, प्रस्थान 08:45 बजे। 4. पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे द्विसाप्ताहिक स्पेशल (गाड़ी संख्या 01431/01432) गाड़ी संख्या 01431 हडपसर (पुणे)-गाजीपुर सिटी स्पेशल दिनांक 13 अक्टूबर से 20 नवंबर 2026 तक कुल 12 फेरे संचालित होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01432 गाजीपुर सिटी-हडपसर स्पेशल दिनांक 15 अक्टूबर से 22 नवंबर 2026 तक कुल 12 फेरे संचालित होगी। इटारसी स्टेशन पर समयः गाड़ी संख्या 01431: आगमन 21:15 बजे, प्रस्थान 21:20 बजे। गाड़ी संख्या 01432: आगमन 01:10 बजे, प्रस्थान 01:15 बजे। 5. लोकमान्य तिलक टर्मिनस-वाराणसी -लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक स्पेशल गाड़ी संख्या 01051 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस स्पेशल प्रत्येक बुधवार एवं गुरुवार को दिनांक 14 अक्टूबर से 19 नवंबर 2026 तक कुल 12 फेरे संचालित होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01052 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार एवं शुक्रवार को दिनांक 15 अक्टूबर से 20 नवंबर 2026 तक कुल 12 फेरे संचालित होगी। इटारसी स्टेशन पर समयः गाड़ी संख्या 01051: आगमन 23:56 बजे, प्रस्थान 00:01 बजे (अगले दिन)। गाड़ी संख्या 01052: आगमन 15:10 बजे, प्रस्थान 15:15 बजे। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि दौरान त्योहारों पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपनी यात्रा की योजना निर्धारित समय-सारणी के अनुसार बनाएं तथा आरक्षण एवं विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे की अधिकृत वेबसाइट अथवा रेलवे पूछताछ सेवा का उपयोग करें।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान में भोपाल स्टेशन पर 1 घंटे का सामूहिक श्रमदान



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

भारतीय रेल द्वारा चलाए जा रहे 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के अंतर्गत 01 अक्टूबर 2026 को भोपाल रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता एवं जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक (सी एवं आईएस) श्री मंदीप सिंह भाटिया, भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी सहित सभी शाखा अधिकारियों एवं रेलकर्मियों ने भोपाल स्टेशन परिसर में एक घंटे का सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता की। सामूहिक श्रमदान के दौरान अधिकारियों एवं रेलकर्मियों ने स्टेशन परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता कार्य करते हुए स्वच्छता के प्रति 'स्वयं भी स्वच्छ रहें और दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें' का संदेश दिया। इस दौरान यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पम्पलेट वितरित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए यात्रियों को कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। अभियान के दौरान यात्रियों से अपील की गई कि वे रेलवे स्टेशन एवं रेल परिसर की स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करें, कचरा निर्धारित डस्टबिन में ही डालें तथा प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैलों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

ग्राम शेरपुर के श्री अरुण राठौर ने आधुनिक तकनीक और स्थानीय जरूरतों से विकसित किए आय के दो स्रोत

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

बायोफ्लॉक से मछली पालन, फिश फीड विक्रय से भी बढ़ी आमदनी

अपने पारंपरिक व्यवसाय के साथ आमदनी बढ़ाने का अवसर तलाश रहे ग्राम शेरपुर निवासी श्री अरुण राठौर के लिए मत्स्य पालन लाभकारी पहल साबित हुआ है। आधुनिक बायोफ्लॉक तकनीक से मछली पालन शुरू करने के बाद उन्होंने फिश फीड यानी मछलियों के आहार की बिक्री को भी अपने व्यवसाय से जोड़ा। इस पहल से उनकी आय बढ़ी और आसपास के मत्स्य पालकों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण फिश फीड उपलब्ध होने लगा। श्री राठौर ने सहायक संचालक मत्स्य विभाग, सीहोर के कार्यालय से संपर्क किया और मत्स्य पालन को अतिरिक्त आय के साधन के रूप में अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने बायोफ्लॉक पोंड तकनीक से मछली पालन की शुरुआत की। सीमित क्षेत्र में नियंत्रित जल व्यवस्था के साथ मछली पालन की इस तकनीक में पानी की गुणवत्ता, ऑक्सीजन की उपलब्धता और मछलियों के आहार का नियमित प्रबंधन आवश्यक होता है। शुरुआती दौर में श्री राठौर के सामने कई चुनौतियां आई। मछलियों को उचित आहार देना, पानी की गुणवत्ता बनाए रखना, तकनीकी प्रबंधन समझना और तैयार मछलियों के लिए बाजार तलाशना उनके लिए नए अनुभव थे। उन्होंने नियमित देखरेख और अनुभव से इन चुनौतियों को संभाला। धीरे-धीरे मछलियों की वृद्धि बेहतर होने लगी और उत्पादन को बाजार में उचित मूल्य मिलने लगा। मछली पालन में मिले सकारात्मक परिणामों ने उन्हें व्यवसाय के विस्तार के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने महसूस किया कि आसपास के मत्स्य पालकों को भी गुणवत्तापूर्ण फिश फीड की आवश्यकता रहती है। स्थानीय बाजार की इस जरूरत को समझते हुए उन्होंने मछली पालन के साथ फिश फीड विक्रय का कार्य शुरू किया। इस निर्णय से श्री राठौर ने मत्स्य पालन से जुड़ी दो गतिविधियों को अपनी आय का आधार बना लिया। एक ओर मछली उत्पादन से आमदनी होने लगी, वहीं दूसरी ओर फिश फीड की बिक्री से अतिरिक्त आय का स्रोत विकसित हुआ। इससे उनके व्यवसाय का दायरा बढ़ा और अन्य मत्स्य पालकों की आहार संबंधी जरूरतें पूरी करने में भी सहयोग मिला। अरुण राठौर की पहल आधुनिक तकनीक, नियमित देखरेख और बाजार की जरूरतों की समझ से व्यवसाय को आगे बढ़ाने का उदाहरण है।

वकील के साथ पुलिसर्मियो द्वारा मारपीट का मामला

भोपाल। भोपाल जहांगीराबाद इलाके में वकील से मारपीट का मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है। उल्लेखनीय है की तत्कालीन जहांगीराबाद टीआई राजन अहिरवार सहित दो पुलिसकर्मियो पर वकील राकेश रावल से मारपीट का आरोप है। घटना के दिन वकील के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला भी दर्ज किया गया। इसी प्रकरण को निरस्त कराने के पीड़ित वकील राकेश ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया हैं। जिस वीडियो के आधार पर एफआईआर दर्ज की है, उसमें पुलिस द्वारा गाली-गलौज की जा रही है न कि वकील द्वारा। पीड़ित वकील ने किसी प्रकार का बल का प्रयोग नहीं किया है। ऐसे में वकील के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर गलत है। वकील के खिलाफ दर्ज एफआईआर में कॉन्सटेबल हरीओम को फरियादी बनाया गया है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुख्यालय में स्वच्छता अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान





■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुख्यालय में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026' के अंतर्गत 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान एवं स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस अवसर पर क्षेत्रीय एवं अधीनस्थ कार्यालयों में भी सामूहिक श्रमदान एवं स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से कार्यालय परिसर एवं अपने कार्यस्थल को स्वच्छ और सुव्यवस्थित रखने के साथ ही स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से श्रमदान करते हुए कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की तथा अपने कार्यस्थल को व्यवस्थित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग, मुख्य महाप्रबंधक स्वाति सिंह एवं मुख?य महाप्रबंधक श्रीमती अमिता तिवारी द्वारा सभी स्वच्छता कर्मियों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन

स्वच्छता ही सेवा-2026 के तहत 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

स्वच्छता ही सेवा-2026 एवं 'स्वच्छता में सहभागिता–स्वच्छ भारत, विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत जिले में 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी के निर्देशन में जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के दौरान जिले में 447 किलोग्राम प्लास्टिक, 1112 किलोग्राम मिश्रित कचरे का संग्रहण किया गया तथा 167 घूरों की



साफ-सफाई की गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों के साथ अधिकारी-कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इसी क्रम में भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग के अंतर्गत केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल द्वारा ग्राम कान्हा सैयां में 01 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान घोड़ा पछाड़ डेम में दीप



प्रज्ज्वलित कर जलाशय एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की गई। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा। इस दौरान ग्राम परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में कचरा संग्रहण और साफ-सफाई के साथ लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फैलाने तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। स्वच्छता अभियान में केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर श्रीमती पैस्त्री पटेल, वैज्ञानिक 'सी', सुश्री अंजली कुशवाहा, वैज्ञानिक 'सी', सुश्री सौम्या चौधरी, वैज्ञानिक 'सी', डॉ. नीरू तिवारी, वैज्ञानिक 'सी', जिला समन्वयक एसबीएम (जी), श्री आलोक चौहान, ब्लॉक समन्वयक, श्रीमती कृपा लकड़ा, एडीओ सहित पंचायत सचिव, सरपंच एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान के माध्यम से 'स्वच्छता ही सेवा' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने और स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया।

संपादकीय

रुपए को भारतीय नागरिक ही दिला सकते हैं मजबूती

अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत लगातार नीचे गिर रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि भारत में विभिन्न उत्पादों के आयात बहुत अधिक मात्रा में हो रहे हैं, जबकि तुलनात्मक रूप से भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात कम मात्रा में हो रहे हैं और इससे भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। बाजार में किसी भी वस्तु की कीमत उसकी मांग एवं आपूर्ति से तय होती है, भारत में विभिन्न वस्तुओं के आयात अधिक होने के चलते एवं इन आयातित वस्तुओं का भुगतान करने के लिए भारत को अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता अधिक है और तुलनात्मक रूप से निर्यात कम होने के चलते भारत को अमेरिकी डॉलर की आपूर्ति कम मात्रा में हो रही है।

अतः अमेरिकी डॉलर की मांग अधिक होने एवं आपूर्ति कम होने से अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत लगातार नीचे गिर रही है। पिछले 90 दिनों के दौरान एक अमेरिकी डॉलर की कीमत अधिकतम 96.7908 रुपए और न्यूनतम कीमत 94.3986 तक रही है। आज यह पुनः 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर से ऊपर पहुंच गई है। इस स्थिति को सुधारने में भारतीय नागरिकों को अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अधिक आवश्यकता है। दरअसल, भारतीय नागरिकों की आय में वृद्धि दर्ज होने के चलते वे समाज में अपने रुतबे को बढ़ता हुआ दिखाने के लिए आयातित वस्तुओं का उपयोग करने लगते हैं, जबकि देश में ही निर्मित यह उत्पाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। भारतीय नागरिकों द्वारा आयातित उत्पादों के अधिक उपयोग के कारण देश में वस्तुओं का आयात बढ़ता है और यह अमेरिकी डॉलर की मांग में वृद्धि करता है।

हाल ही के समय में भारतीय शेयर बाजार से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारी मात्रा में अपने निवेश को वापस निकाल रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत कम हो रही है और इससे विदेशी निवेशकों को नुकसान हो रहा है। कैलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। हालांकि, इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत बनी हुई है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो रही है। इस बीच अमेरिका में बांड यील्ड में भी तेजी से वृद्धि हुई है और यह यील्ड 30 वर्ष की अवधि के बांड पर 5.595 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गई है जो पिछले 20 वर्षों से अधिक समय (वर्ष 2002 के बाद) में सबसे अधिक है।

दरअसल, भारत में ब्याज दरें अमेरिका से अधिक होने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारत के शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाते जा रहे थे। परंतु, हाल ही के वर्षों में अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि दृष्टिगोचर है, जिसके चलते इन विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अब भारतीय शेयर बाजार से निवेश निकाल कर अमेरिकी शेयर बाजार में निवेश किया जा रहा है। वैसे भी, भारत की आर्थिक प्रगति को विश्व के कई देश सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत को वे अपना प्रतिस्पर्धी मान रहे हैं। अतः भारत को इन परिस्थितियों से अपने नागरिकों के बल पर स्वयं ही निपटना होगा, किसी भी अन्य देश से सहायता की उम्मीद करना उचित नहीं होगा। आज भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है।

भारत में केवल आर्थिक विकास की दर ही आकर्षक नहीं रही है बल्कि भारत के लिए विदेश व्यापार के मोर्चे पर भी अगस्त 2026 माह में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला है। अगस्त 2026 माह में भारत से कुल निर्यात (उत्पादों एवं सेवाओं सहित) 25.41 प्रतिशत बढ़कर 8,268 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो बीते वर्ष की समान अवधि में 6,593 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। वहीं, अगस्त 2026 माह में आयात 9,209 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो बीते वर्ष अगस्त 2025 में 7,755 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था।

रक्षा उत्पादन में छलांग के बाद असली सवाल- क्या भारत टेक्नोलॉजी का भी मालिक बन रहा है?

राकेश मिश्रा

भारत ने मिसाइल, अंतरिक्ष, परमाणु विज्ञान, विमानन और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण क्षमताएं विकसित की हैं। लेकिन दुनिया में टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से बदल रही है। इसलिए सवाल यह है कि क्या हमारी रिसर्च की रफ्तार भी उतनी ही तेज है? क्योंकि आज की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी कुछ वर्षों बाद पुरानी हो सकती है। इसलिए रक्षा क्षेत्र में रिसर्च कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि भविष्य की सैन्य क्षमता की बुनियाद है।

भारत के रक्षा क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। जिस देश को लंबे समय तक रक्षा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में विदेशों से हथियार और सैन्य उपकरण खरीदने पड़ते थे, वही भारत अब तेजी से अपने यहां रक्षा उपकरण बनाने, नई प्रणालियां विकसित करने और उन्हें दूसरे देशों तक पहुंचाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस बदलाव की तस्वीर वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़ों में साफ दिखाई देती है।

भारत का रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह 2024-25 के 1.54 लाख करोड़ की तुलना में 15.6 प्रतिशत अधिक है। 2020-21 में यही उत्पादन 84,643 करोड़ था। रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,424 करोड़ तक पहुंच गया है और सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय रक्षा उत्पाद 80 से अधिक देशों तक पहुंच रहे हैं। यह निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण बदलाव है लेकिन किसी भी बड़ी उपलब्धि के बाद अगला सवाल उससे आगे का होना चाहिए। भारत अब कितना हथियार बना रहा है- यह सवाल महत्वपूर्ण है। लेकिन उससे भी बड़ा सवाल है कि भारत उन हथियारों के पीछे की कितनी टेक्नोलॉजी खुद बना रहा है? यहीं से भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की अगली कहानी शुरू होती है।

भारत में बना और भारत ने बनाया-फर्क समझना जरूरी है। किसी रक्षा उपकरण पर अगर लिखा हो कि वह भारत में बना है, तो इसका मतलब हमेशा यह नहीं होता कि उसकी पूरी टेक्नोलॉजी भी भारत की है। किसी उपकरण की असेंबली भारत में हो सकती है। उसके कुछ पार्ट्स भारत में बन सकते हैं। उसका डिजाइन भारत में तैयार हो सकता है। एक स्थिति यह भी हो सकती है कि उसकी मूल टेक्नोलॉजी, डिजाइन, पेटेंट और आगे के अपग्रेड पर भी भारत का पूरा अधिकार हो। ये चारों बातें अलग-अलग हैं।

इसलिए अब रक्षा आत्मनिर्भरता को केवल उत्पादन की मात्रा से नहीं मापा जाना चाहिए। हमें पूछना होगा कि कितना भारत में बना के साथ-साथ कितना भारत ने डिजाइन किया? कितनी टेक्नोलॉजी भारत ने विकसित की? कितने महत्वपूर्ण पार्ट्स भारत में बनते हैं? कितने जरूरी सिस्टम के लिए हमें अभी भी बाहर देखना पड़ता है? और सबसे बड़ा सवाल है कि अगर किसी संकट के समय विदेशी सप्लाई अचानक बंद हो जाए तो क्या भारत अपनी रक्षा प्रणालियों को लंबे समय तक खुद चला और अपग्रेड कर सकता है? यही असली आत्मनिर्भरता की परीक्षा होगी।

सैटेलाइट स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन यानी सैट-साआव इसका एक अच्छा उदाहरण है। यह हवा से जमीन पर हमला करने वाला एक सटीक-निर्देशित ग्लाइड वेपन है। इसे जगुआर, हॉक और सुखोई-30 एमकेआई जैसे विमान से इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रणाली को डीआरडीओ ने डिजाइन और विकसित किया है और संबंधित खरीद में 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का प्रावधान है। इसके कुछ महत्वपूर्ण सब-सिस्टम को भी आगे और अधिक स्वदेशी बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

यह बात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे एक बात साफ होती है- आत्मनिर्भरता एक बार हासिल कर लेने वाली चीज नहीं है। यह लगातार आगे बढ़ने वाली प्रक्रिया है। आज अगर किसी हथियार में 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री है तो कल सवाल होना चाहिए कि बाकी 40 प्रतिशत में सबसे महत्वपूर्ण चीजें कौन-सी हैं। कौन-सा पार्ट ऐसा है जिसके बिना पूरा सिस्टम काम नहीं करेगा? कौन-सी टेक्नोलॉजी ऐसी है जिसे संकट के समय बाहर से मंगाना मुश्किल हो सकता है? और कौन-से पार्ट्स भारत में बनाना जरूरी है? यही सोच भारत को सिर्फ निमार्ता से आगे ले जाकर टेक्नोलॉजी निमार्ता बनाएगी।

भविष्य का युद्ध सिर्फ मिसाइल और टैंक का नहीं होगा युद्ध का तरीका बदल रहा है। भविष्य के युद्ध में केवल टैंक, लड़ाकू विमान, मिसाइल और युद्धपोत ही महत्वपूर्ण नहीं होंगे। सेंसर, रडार तथा सुरक्षित कम्युनिकेशन महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही उपग्रह से मिलने वाला डेटा, ड्रोन और ड्रोन को रोकने वाली टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, साइबर क्षमता महत्वपूर्ण होगी। इन सबसे ऊपर एआई युद्ध की योजना, निगरानी, लक्ष्य पहचान और निर्णय प्रक्रिया को तेजी से बदल सकता है। इन सबके पीछे माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, सॉफ्टवेयर, सेंसर, बैटरी, विशेष धातु और नई तरह की मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी होगी।

इसका मतलब साफ है कि अगले दौर की सैन्य ताकत केवल इस बात से तय नहीं होगी कि किसी देश के पास कितने हथियार हैं। यह भी तय करेगा कि उन हथियारों को बनाने और लगातार बेहतर करने वाली टेक्नोलॉजी किसके पास है। एक आधुनिक हथियार प्रणाली को एक बड़ी मशीन की तरह समझिए। उसका मुख्य ढांचा भारत में बना हो सकता है लेकिन अगर उसके किसी छोटे से जरूरी पार्ट की सप्लाई बाहर से आती है और वह पार्ट उपलब्ध नहीं होता तो पूरी मशीन प्रभावित हो सकती है। यह पार्ट कोई इंजन का हिस्सा हो सकता है। कोई सेंसर हो सकता है। रडार का कोई मॉड्यूल हो सकता है। कोई माइक्रोचिप हो सकती है। कोई इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम हो सकता है। कोई खास धातु या विशेष सामग्री हो सकती है। या कोई ऐसा सॉफ्टवेयर हो सकता है, जिसके बिना पूरा सिस्टम सही तरीके से काम न करे। इसलिए रक्षा आत्मनिर्भरता का मतलब अब केवल बड़े हथियारों में आत्मनिर्भर होना नहीं है। भारत को छोटे लेकिन महत्वपूर्ण पार्ट्स और टेक्नोलॉजी में भी आत्मनिर्भर होना होगा। यही भविष्य की असली चुनौती है।

1.78 लाख करोड़ के बाद अगली छलांग रिसर्च की होगी। कारखाने उत्पादन बढ़ा सकते हैं लेकिन नई टेक्नोलॉजी रिसर्च से पैदा होती है। 2026-27 में रक्षा मंत्रालय के लिए ?7,84,678 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसमें ?2,31,010 करोड़ पूंजीगत खर्च के लिए हैं। पीआरएस के विश्लेषण के अनुसार पूंजीगत खर्च में रिसर्च और डेवलपमेंट की हिस्सेदारी लगभग 7 प्रतिशत है। उसके विश्लेषण में रक्षा क्षेत्र में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग की सीमित मौजूदगी और रिसर्च एवं डेवलपमेंट से जुड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया गया है।

...तो बैंकिंग सेवा को क्यों सीमित करने की मांग

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वस्तुतः बैंकिंग व्यवस्था का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि सरकार को मौजूदा सितंबर के घटनाक्रम में रविवार को भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को खोलने की व्यवस्था करनी पड़ी है। 28 से शुरू की गई और 30 सितंबर तक चलने वाली हड़ताल के आह्वान के बीच यह भी देखें कि 30 सितंबर को अर्धवार्षिक लेखा समापन भी है। सप्ताहांत और हड़ताल के लगातार पड़ने से बैंकिंग सेवाओं पर कई दिनों तक प्रभाव पड़ने की आशंका स्वभाविक ही है। जब सरकार को बैंकिंग व्यवस्था सुचारु रखने के लिए रविवार को बैंक खोलने पड़ रहे हों, तब यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी इस सेवा को नियमित रूप से एक और दिन बंद करने की मांग को किस आधार पर उचित माना जाए?



देश की अर्थव्यवस्था बदल रही है और उसके साथ बैंक की भूमिका भी। आज बैंक रुपये जमा करने और निकालने के साथ ही वेतन, पेंशन, किसान भुगतान, व्यापारिक लेन-देन, ऋण, निवेश, सरकारी योजनाओं की राशि और डिजिटल भुगतान, सबकी धुरी बन चुका है। ऐसे समय में सप्ताह में दो दिन बैंक शाखाओं को बंद करने की मांग पर एक बुनियादी सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह बदलती आर्थिक जरूरत का उत्तर है या कर्मचारी सुविधा का विस्तार?

मान लीजिए किसी छोटे दुकानदार की दुकान सोमवार से शनिवार तक खुलती है। किसी निजी कर्मचारी को भी सप्ताह में छह दिन काम करना पड़ता है। किसी श्रमिक के पास रविवार ही एकमात्र अवकाश है। वह बैंक की शाखा में कब जाए? उसे यह कह देना कि मोबाइल बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल करे। वास्तव में समझना होगा कि यह हर समस्या का समाधान नहीं है। भारत का बड़ा हिस्सा आज भी शाखा आधारित बैंकिंग पर निर्भर है। वरिष्ठ नागरिकों, छोटे कारोबारियों, ग्रामीण ग्राहकों और जटिल दस्तावेजी कार्यों वाले लोगों के लिए बैंक की भौतिक शाखा आज भी आवश्यक है, इसलिए शनिवार बैंक के लिए एक कार्यदिवस से कहीं बढ़कर वह ग्राहक के लिए एक अतिरिक्त सेवा-दिवस भी है।

फिर बैंक कर्मचारियों को यह भी याद रखना ही चाहिए कि सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए नियमानुसार विभिन्न अवकाश पहले से उपलब्ध हैं, इसलिए हर सप्ताह दो दिन का स्थायी अवकाश मांगते समय वह यह भी विचारें कि इससे नागरिक को मिलने वाली सेवा पर क्या असर पड़ेगा। सार्वजनिक संस्थान का मूल उद्देश्य जनता को सेवा देना है। यहीं पांच दिवसीय बैंकिंग के पक्ष में दिया जाने वाला यह तर्क भी अधूरा लगता है कि सोमवार से शुक्रवार तक रोजाना अतिरिक्त समय देकर शनिवार की भरपाई हो जाएगी। कर्मचारी के कुल कार्यघंटे संतुलित हो सकते हैं, किंतु उस ग्राहक के लिए शनिवार की सेवा वापस कैसे आएगी जो सप्ताह के बाकी छह दिनों में काम करता है? अतः कर्मचारी के समय और ग्राहक की सुविधा को एक ही पैमाने से नहीं मापा जा सकता, जिसमें कि शाम चार बजे के बाद बैंक किसी भी ग्राहक को बैंक के अंदर नहीं घुसने देती हों!

वस्तुतः बैंकिंग व्यवस्था का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि सरकार को मौजूदा सितंबर के घटनाक्रम में रविवार को भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को खोलने की व्यवस्था करनी पड़ी है। 28 से शुरू की गई और 30 सितंबर तक चलने वाली हड़ताल के आह्वान के बीच यह भी देखें कि 30 सितंबर को अर्धवार्षिक लेखा समापन भी है। सप्ताहांत और हड़ताल के लगातार पड़ने से बैंकिंग सेवाओं पर कई दिनों तक प्रभाव पड़ने की आशंका स्वभाविक ही है। जब सरकार को बैंकिंग व्यवस्था सुचारु रखने के लिए रविवार को बैंक खोलने पड़ रहे हों, तब यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी इस सेवा को नियमित रूप से एक और दिन बंद करने की मांग को किस आधार पर उचित माना जाए?

बैंक से जुड़े कर्मचारी यह समझें कि श्रम का सम्मान उस जिम्मेदारी में भी है जिसके लिए कर्मचारी को समाज भुगतान करता है। डॉक्टर, पुलिसकर्मी, अग्निशमनकर्मी, बिजलीकर्मी या परिवहनकर्मी यह तय नहीं कर सकते कि समाज की जरूरत सप्ताहांत में समाप्त हो गई। बैंकिंग भी आज धीरे-धीरे ऐसी ही अनिवार्य सेवा बनती जा रही है, यदि नागरिक को शनिवार की बैंकिंग सेवा की जरूरत है तो वह उसे मिलनी ही चाहिए।

इस संबंध में भारतीय मजदूर संघ का वर्तमान रुख जरूर संतुलित नजर आया है। बीएमएस ने कार्य-जीवन संतुलन, महिला कर्मचारियों की समस्याओं, पेंशनभोगियों, चिकित्सा सुविधाओं, शिकायत निवारण और स्थानांतरण नीति जैसे मुद्दों को भी उठाया है और संवाद के रास्ते को प्राथमिकता देने की बात कही है। यहां एक व्यापक प्रश्न सामने आता है: क्या कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए हड़ताल ही सबसे प्रभावी रास्ता है? क्या यह बैंक कर्मचारियों को नहीं समझ आता कि बैंकिंग जैसे क्षेत्र में हड़ताल का असर उस आम नागरिक पर पड़ता है जो विवाद में शामिल ही नहीं है? वस्तुतः व्यापारी का भुगतान अटक सकता है, पेंशनभोगी परेशान हो सकता है, जरूरी नकदी की समस्या पैदा हो सकती है और कारोबार की गति प्रभावित हो सकती है, इसलिए बैंकिंग क्षेत्र में आंदोलन का प्रत्येक निर्णय लोकहित की कसौटी पर भी देखा जाना चाहिए।

आज यह हड़ताल करनेवालों से अवश्य पूछा जाए कि भारत की अर्थव्यवस्था सप्ताहांत पर बंद नहीं होती, बाजार खुले रहते हैं, कारोबार चलता है, परिवहन चलता है, ऑनलाइन भुगतान चलता है, वित्तीय लेन-देन चलता है। ऐसे में बैंकिंग की शाखा-व्यवस्था को लगातार कम उपलब्ध कराना बदलती अर्थव्यवस्था के साथ कितना संगत है, क्या यह उपभोक्ता के साथ न्याय है, जिसके रुपयों की दम पर बैंकिंग सेवा में कर्मचारियों के घर चल रहे हैं?

फिर पांच दिवसीय बैंकिंग की बहस को सिर्फ शनिवार की छुट्टी की मांग के रूप में देखने से उसका सबसे महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है। यह प्रश्न है कि सार्वजनिक बैंक किसके लिए हैं? कर्मचारी के लिए वे रोजगार हैं, बैंक प्रबंधन के लिए संस्था हैं, मगर नागरिक के लिए वे उसकी आर्थिक जिंदगी का आधार हैं, इसलिए बैंक कर्मचारियों की उचित कार्यस्थितियां सुनिश्चित हों, उन्हें पर्याप्त विश्राम मिले और उनका सम्मान बना रहे, यह जरूरी है, ये कौन मना कर रहा है? पर साथ ही यह भी उतना ही जरूरी है कि बैंकिंग सेवा नागरिक की बदलती जरूरतों के अनुरूप उपलब्ध रहे।

वस्तुतः भारत को ऐसी बैंकिंग व्यवस्था चाहिए जिसमें कर्मचारी को मशीन की तरह काम करने के लिए बाध्य न किया जाए, मगर नागरिक को भी अपने बैंक तक पहुंचने के लिए पांच दिनों की सीमा में कैद न होना पड़े। अर्थव्यवस्था जब सातों दिन चल रही है, जब कई शासकीय संस्थानों के कर्मचारी भी सप्ताह में रविवार छोड़कर छह दिन अपना कार्य पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं, तब बैंक कर्मचारियों को अपने कार्य में क्यों दिक्कत आना चाहिए?

ऐसे में यह स्वभाविक है कि बैंकिंग सेवा को पांच दिनों में सीमित करने का औचित्य सिर्फ कर्मचारी सुविधा से तय नहीं हो सकता। इसका उत्तर लोकहित, सेवा की आवश्यकता और बदलते आर्थिक भारत की वास्तविक जरूरतों में निहित है। यदि संपूर्ण भारत श्रमरत है, तब बैंक कर्मचारी यह नहीं कह सकते कि उन्हें अतिरिक्त अवकाश चाहिए। फिर सबके साथ से ही सबका विकास होना है और सबके विकास से ही विकसित भारत बनना है, इसलिए भी अच्छा यही होगा कि बैंक यूनियनें एवं कर्मचारी हर सप्ताह में दो दिन अवकाश की अपनी जिद छोड़ें। वैसे भी उनके पास हर साल तमाम सिंचित अवकाश रहते ही हैं जिनका कि वह समय-समय पर उपयोग करते हैं, तब अतिरिक्त शनिवार का बोझ देश की अर्थव्यवस्था पर डालना कहीं से भी उचित नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

पीएम स्वनिधि के प्रकरणों की बैंकर्स के साथ हुई समीक्षा



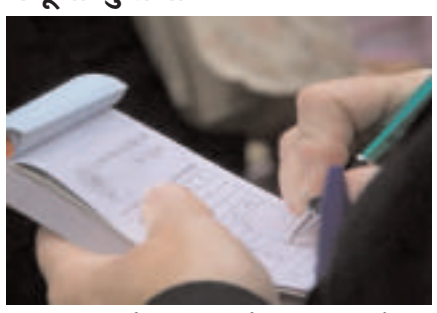
ग्वालियर। पथ विक्रेता, ठेले वालों को आसानी से लोन मिल सके, इसके लिए शासन द्वारा पीएम स्वनिधि योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत ग्वालियर में शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य को लेकर नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देष पर अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर ने पीएम स्वनिधि बैंकर्स समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्रीमती अमिता शर्मा एवं विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर ने योजना अंतर्गत स्वीकृति हेतु लंबित 2087 एवं वितरण हेतु लंबित 603 प्रकरणों पर कार्यवाही किए जाने हेतु समस्त शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया गया।

गंदगी करने पर हीरो होंडा एजेंसी पर 3 हजार रुपये का जुर्माना



ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देष पर अपर आयुक्त टी प्रतीक राव के निर्देशन में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत गुरुवार को वार्ड क्रमांक 25 एवं 26 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें आम जनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया, वहीं गंदगी करने पर हीरो होंडा एजेंसी पर 3 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान के तहत नगर निगम की स्वच्छता टास्क फोर्स ने दुकानदारों को समझाइश दी है कि वह अपनी-अपनी दुकानों पर दो अलग-अलग डस्टबिन रखें। साथ ही, कचरा केवल नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहन में ही डाले।

बिना अनुमति बन रहे निर्माण कार्य को रोका दिया नोटिस, वसूला जुर्माना



ग्वालियर। विवेकानंद नीडम में बिना स्वीकृति के किए जा रहे अवैध निर्माण को लेकर नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देष पर सिटी प्लानर सुरेश अहिरवार ने नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही क्षेत्राधिकारी सुश्री तनुजा वर्मा ने भवन निर्माण करने वाले विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी नीडम पर 10000 रूपये का जुर्माना लगाया है। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के पास विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी नीडम में 1200 वर्ग फीट एरिया में अवैध निर्माण करने की शिकायत आई थी। शिकायत को लेकर जांच की गई तो वह सत्य पाई गई, इसके बाद नगर निगम आयुक्त ने सिटी प्लानर श्री सुरेश अहिरवार को तत्काल अवैध निर्माण को बंद कराने एवं उस पर कार्रवाई के निर्देष दिए हैं। इस निर्देष के बाद सिटी प्लानर ने भवन अधिकारियों और क्षेत्राधिकारी को मौके पर भेजा साथ ही मदाखलत अमला भी मौके पर पहुंचा। मौके पर निर्माण कार्य चलता मिला, जिसे तत्काल मदाखलत अमले की मदद से बंद कराया गया। साथ ही विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी नीडम के पदाधिकारियों को तत्काल निर्माण की अनुमति दिखाने के निर्देष दिए।

छोटू हत्याकांडः दो नए शूटर के नाम आए सामने

हत्या की साजिश में दोस्त की अहम भूमिकाः पिल्लू देता रहा पल-पल की लोकेशन, मनीष-रितेश ने की फायरिंग

एक सत बुलेटिन, गुना







शहर के गोला का मंदिर क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व बदमाश छोटू उर्फ दीपक राजावत की हत्या में दो मुख्य आरोपी रानू सिकरवार, राजवीर सिंह चौहान के पकड़े जाने के बाद अब कड़ियां खुलने लगी हैं। छोटू के जेल से छूटकर आने के बाद ही हमलावरों ने उसकी हत्या की प्लानिंग कर ली थी। क्योंकि छोटू की मुखबिरी पर 2 जून की रात हत्या आरोपियों के भाई भोला सिकरवार की हत्या की गई थी।

दो बार बदमाश उसके नजदीक पहुंच चुके थे, लेकिन वह बच निकला था। हत्याकांड में दो नए शूटर के नाम सामने आए हैं। मनीष तोमर और रितेश शाक्य के नाम पकड़े गए बदमाशों ने लिए हैं। इन दोनों ने भी हत्याकांड के दिन छोटू राजावत पर गोलियां चलाई थीं। दोनों को दो दिन की रिमांड पर लिया है। पूछताछ में यह भी बताया है कि हत्या के लि?ए गैंग ने छोटू राजावत के एक दोस्त पिल्लू को तोड़ लिया था। पिल्लू, हत्या आरोपियों के कहने पर छोटू के दोस्तों के साथ घुलमिल गया था।

हत्या वाले दिन वह भी पार्टी में गया था बल्कि उसने ही हाइवे पर ढाबा पार्टी का प्लान बनाया था। वह रानू व दीनू सिकरवार को वॉटसएप पर छोटू की लोकेशन, पल-पल की जानकारी दे रहा था। ढाबा से निकलते ही दी सूचना, लोकेशन पर पहुंचने से पहले किया मैसेज पकड़े गए हत्या आरोपी रानू उर्फ अभिषेक सिकरवार, राजवीर सिंह चौहान ने कई राज खोले हैं। उन्होंने पूछताछ में बताया कि ढाबा पर छोटी ने कितनी शराब पी है यह तक जानकारी उनके पास थी। ढाबा से निकलते ही हमारे मुखबिर ने वॉटसएप पर मैसेज डाल दिया था।

जिसके बाद रेलवे ओवरब्रिज के पहले ही हमारी गैंग ने घेराबंदी कर दी थी। जब वह लोकेशन पर पहुंचने वाला था तो पिल्लू ने लास्ट मुखबिरी की और उसके बाद छोटू को घेरकर गाड़ी से खींचकर हत्या कर दी गई। घटना के दौरान भी पिल्लू से बात की थी और उसके बाद पिल्लू भी उनके साथियों के साथ भाग गया। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने हत्याकांड के आरोपियों के पकड़े जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि अन्य फरार आरोपियों की तलाश में भी टीम दबिश दे रही है।

रानू ने चलाई थी चार गोलियां, अजीत ने दो राउंड किए फायर

पुलिस ने भिंड रोड से फरार हुए दो हमलावरों रानू उर्फ अभिषेक सिकरवार व राजवीर चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम घोषित था। पकड़े गए रानू सिकरवार ने ही छोटू के सीने व सिर में चार गोली मारी थीं। छोटू पर दिन्नू, राजवीर व अन्य साथियों ने भी गोली चलाई थीं। अब रानू ने पूछताछ में मनीष तोमर व रितेश शाक्य के नामों का जिक्र किया है। यह दोनों शूटर हैं और इन्होंने भी गोलियां चलाई थीं। अब इनकी तलाश भी शुरू कर दी गई है।रानू व राजवीर पर 7-7 आपराधिक मामले दर्ज हैं। रानू पर गोली चलाने के चार मामले दर्ज हैं, जबकि हत्या का यह उस पर पहला मामला दर्ज हुआ है। पिल्लू भी हत्याकांड के बाद से है गायब रानू ने पुलिस को बताया कि छोटू का साथी पिल्लू घटना वाले दिन उनकी टीम को पूरी जानकारी वाट्सएप कॉल पर दे रहा था। छोटू व उसके साथियों के सिरोल से पार्टी कर निकलते ही पूरी टीम ने फील्डिंग लगा ली थी और उसके पुल पर आते ही बाइक से उतरकर गोली मार दी।

ऐसे पकड़े गए थे हत्या आरोपी

इस मामले में गोला का मंदिर थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मंगलवार को सूचना मिली थी कि रानू सिकरवार व राजवीर सिंह चौहान भिंड क्षेत्र में हैं। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस पार्टियां भिंड में दबिश दे रही थीं। इसी दौरान पता चला कि आरोपी भिंड से भाग गए हैं।

खाद्य विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, चावल से भरा वाहन जब्त

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र के बंसीपुर कैंटोनमेंट स्थित वार्ड-16 की सरकारी उचित मूल्य दुकान से चावल की बोरियां लोडिंग वाहन में भरकर ले जाने का मामला सामने आया है। सूचना पर खाद्य विभाग की टीम ने बुधवार रात करीब 10 से 11 बजे के बीच कार्रवाई कर चावल से भरा वाहन जब्त किया।

वाहन में करीब 30 बोरी चावल मिला है। चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वार्ड-16 की उचित मूल्य दुकान का संचालन नीरज शर्मा द्वारा किया जाता है। जानकारी के मुताबिक, दुकान से चावल के कट्टे लोडिंग वाहन क्रमांक रू्ब07-रू-3514 में भरे जा रहे थे। सूचना मिलते ही खाद्य विभाग के फूड इंस्पेक्टर अरविंद सिंह भदौरिया और उनकी टीम मौके पर पहुंची। प्राथमिक जांच में वाहन में सरकारी चावल की करीब 30 बोरियां मिलीं, जिसके बाद वाहन को जब्त कर लिया गया। पुलिस की भूमिका पर भी सवाल मामले में मुरार थाना पुलिस की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, घटना के बाद पुलिस ने वाहन को पकड़ा था, लेकिन बाद में छोड़ दिया गया। मामला स्कके संज्ञान में आने के बाद कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद खाद्य विभाग और पुलिस की टीम ने वाहन जब्त कर चालक को हिरासत में लिया। खाद्य विभाग दुकान संचालक और वाहन चालक से पूछताछ कर रहा है। टीम यह पता लगा रही है कि 30 बोरी चावल किसके निर्देश पर दुकान से निकाला गया था और इसे कहां पहुंचाया जाना था। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि चावल नियमानुसार ले जाया जा रहा था या इसमें कालाबाजारी का मामला है।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराते हुए फायरिंग पुलिस ने आरोपी की पहचान की, गिरफ्तारी के लिए टीमें रवाना

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



जिले के उटिला थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा लाइसेंसी हथियार से हवा में फायरिंग किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है। वीडियो में युवक हथियार लहराते हुए फायरिंग करता नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बौड़ाई वालों का पूरा, जनकगंज रोड, टीहौली निवासी सौरभ गुर्जर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर हथियार के साथ फायरिंग का वीडियो अपलोड किया था। बताया जा रहा है कि यह वीडियो बुधवार का है, जबकि गुरुवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों तक पहुंचा। वायरल वीडियो में युवक लाइसेंसी हथियार लेकर फायरिंग करता दिखाई दे रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने इसकी जांच शुरू की और वीडियो में नजर आ रहे युवक की पहचान सौरभ गुर्जर के रूप में की। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फायरिंग किस स्थान पर और किन परिस्थितियों में की गई थी। पुलिस के मुताबिक, वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें रवाना की गई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए वीडियो और उससे जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक रूप से हथियार का प्रदर्शन और फायरिंग जैसी घटनाओं को गंभीरता से लिया जाएगा। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई तथ्यों और जांच के आधार पर की जाएगी।

फर्जी वसीयत का खेल, संपत्ति हड़पने की साजिश में तीन फंसे

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के मुरार थाना क्षेत्र के भगत सिंह मार्केट स्थित संभाजी राव का बंगला परिसर में करीब 10 हजार वर्गफीट की कीमती संपत्ति को फर्जी वसीयत के जरिए हड़पने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। अविवाहित मृतका की देखरेख करने वाले कर्मचारी, उसकी पत्नी और नौकरानी ने मिलकर 17 फरवरी 2017 की बैकडेटेड वसीयत तैयार कराई थी।

तानावडी, पुणे (महाराष्ट्र) निवासी पीड़ित भाई की शिकायत और पुलिस जांच के बाद मुरार पुलिस ने गुरुवार को आरोपी नौकरानी सहित तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अविवाहित बहन की मौत के बाद देखरेख के लिए रखा था केयरटेकर पुणे निवासी 30 वर्षीय राजेन्द्र कुमार उर्फ विजय कुमार भोंसले ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी अविवाहित बहन तारा भोंसले की 18 जनवरी 2018 को मृत्यु हो गई थी।

बहन के निधन के बाद संपत्ति की देखरेख के लिए जितेंद्र शर्मा नाम के व्यक्ति को रखा गया था। लेकिन नीयत बिगड़ने पर जितेंद्र शर्मा, उसकी पत्नी सुनीता शर्मा और केयरटेकर/नौकरानी अंजली भोंसले ने आपस में सांठ-गांठ कर 17 फरवरी 2017 की फर्जी वसीयत तैयार कर ली और कीमती संपत्ति को अपने नाम कराने का प्रयास करने लगे। मौत के 6 साल बाद नामांतरण आवेदन से खुला फर्जीवाड़ा

पुलिस की प्राथमिक जांच रिपोर्ट में इस पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश हुआ।

बापू की जयंती पर ग्वालियर पूर्व विधानसभा में सफाई अभियान आज, स्वच्छता दूत होंगे सम्मानित



ग्वालियर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में विधानसभा के सभी पांचों ब्लॉकों में एक साथ और एक ही समय पर सुबह 9:30 बजे सफाई अभियान आयोजित किया जाएगा। इस दौरान क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने में अहम योगदान देने वाले स्वच्छता दूतों को सम्मानित किया जाएगा।

विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने अभियान की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जिस स्वच्छ और आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा था, उसे धरातल पर उतारना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। इसी सोच के साथ विधानसभा क्षेत्र के पांच ब्लॉकों में विशेष स्वच्छता अभियान की योजना तैयारियां पूरी कर ली की गई है। उन्होंने बताया कि सुबह 9:30 बजे इंदरगंज ब्लॉक में खटीक मोहल्ला रोशनी घर, थाटीपुर ब्लॉक में शासकीय स्कूल से आदिवासी मोहल्ला भीमनगर, मेला ग्राउंड ब्लॉक में भटेले मेडिकल के पास नदी पार टाल, मुरार ब्लॉक में अखाड़े के सामने खटीक मोहल्ला, गोला का मंदिर ब्लॉक में हरिजन बस्ती जड़ेरुआ कलां में आयोजन किया जायेगा।

वृद्धजन दिवस पर बुजुर्गों का सम्मान, 38 वरिष्ठ नागरिकों को मिला सम्मान

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आज सायं वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान, ग्वालियर द्वारा आयोजित वृद्धजन सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि ग्वालियर नगर निगम के आयुक्त अभिषेक चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज, परिवार और राष्ट्र के निर्माण में वृद्धजनों का महत्व अतुलनीय है। वे केवल उम्र में बड़े नहीं हैं, बल्कि वे हमारे जीवन की नींव, संस्कारों के संरक्षक और अनुभव की अनमोल पूंजी हैं। उक्त वृद्धजन दिवस सम्मान समारोह का आयोजन वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान ने सामाजिक न्याय विभाग, सेवा स्वच्छता अभियान एवं मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम के अंतर्गत जैन छात्रावास, हॉस्पिटल रोड के सभागार में किया। इस अवसर पर 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 38 ऐसे बुजुर्ग सम्मानित किए गए जिन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है। वृद्धजनों की समाज के प्रति सेवाओं के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए करीब चार घंटे तक चले इस भावपूर्ण एवं प्रेरणादाई आयोजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे तो अध्यक्षता सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल ने की। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति प्रो. आर.जे.राव एवं चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष जी.डी. लडढा ने अपने प्रेरणादायी सारगर्भित उदबोधन में कहा कि बुजुर्गों ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव, सफलताएं और असफलताएं देखी हैं। उनका यह व्यावहारिक अनुभव नई पीढ़ी को कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने का सही रास्ता दिखाता है। समाज में युवाओं के पास ऊर्जा होती है, लेकिन बुजुर्गों के पास अनुभव की आंखें होती हैं। जब युवाओं की ऊर्जा को बुजुर्गों का सही मार्गदर्शन मिलता है, तो समाज और परिवार सही दिशा में प्रगति करते हैं।

उज्जैन में पदस्थ आरक्षक पर ग्वालियर में दुष्कर्म का मामला दर्ज

महिला पुलिसकर्मी का आरोप- शादी का झांसा देकर पांच साल तक किया शोषण

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर की हजीरा थाना पुलिस ने उज्जैन जिले के बड़नगर थाने में पदस्थ आरक्षक राकेश रायकवार के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। आरक्षक पर उसकी साथी विधवा महिला आरक्षक ने शादी का झांसा देकर करीब पांच साल तक शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसकी अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर उन्हें दिखाते हुए दबाव बनाया और धमकी दी। आरोपी आरक्षक राकेश रायकवार धार जिले का रहने वाला बताया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पति की मौत के बाद मिली थी अनुकंपा नियुक्ति हजीरा थाना पुलिस के अनुसार, पुलिस आवासीय परिसर में रहने वाली महिला आरक्षक के पति भी मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक थे। फरवरी 2020 में उनकी मृत्यु हो गई थी। इसके बाद महिला को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। दिसंबर 2020 में उन्होंने गुना जिले में आरक्षक के पद पर कार्यभार संभाला था।

प्रशिक्षण के दौरान हुई थी मुलाकात

महिला आरक्षक के अनुसार, फरवरी से दिसंबर 2021 के बीच वह इंदौर के पुलिस प्रशिक्षण केंद्र मूसाखेड़ी में प्रशिक्षण ले रही थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात प्रशिक्षण ले रहे आरक्षक राकेश रायकवार से हुई।



महिला का आरोप है कि राकेश ने खुद को तलाकशुदा बताते हुए उससे शादी करने का प्रस्ताव रखा था। उसने आरोपी को अपने दो बच्चों और पारिवारिक परिस्थितियों के बारे में भी जानकारी दी थी। होटल में ले जाकर संबंध बनाने का आरोप पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 21 नवंबर 2021 को राकेश उसे विभागीय काम और शादी की बात करने के बहाने इंदौर के एक होटल में ले गया। वहां उसने शादी का भरोसा देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर आरोपी ने जल्द ही न्यायालय में विवाह करने का आश्वासन दिया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद महिला आरक्षक का स्थानांतरण ग्वालियर हो गया। आरोप है कि वर्ष 2022 से राकेश उसके सरकारी आवास पर आता रहा और शादी का झांसा देकर संबंध बनाता रहा। महिला आरक्षक ने आरोप लगाया कि 15 जून 2026 को राकेश उसके सरकारी आवास पर आया था। जब उसने तलाक के दस्तावेज दिखाने और शादी करने की बात कही तो आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया। महिला के अनुसार, राकेश ने बताया कि उसकी पत्नी और तीन बेटियां हैं और वह उन्हें छोड़ नहीं सकता। विरोध करने पर आरोपी ने अश्लील फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया, रिश्तेदारों तथा पुलिस विभाग में प्रसारित कर बदनाम करने की धमकी दी। साथ ही महिला और उसके दोनों बच्चों को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। हजीरा थाना पुलिस ने आरक्षक राकेश रायकवार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69, 296(बी) और 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

सातवें स्थान पर रहे अनीश, 15 मेडल के साथ भारत का शूटिंग अभियान समाप्त

नागोया। 'एशियन गेम्स- 2026' में भारतीय शूटर अनीश भनवाला गुरुवार को आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल व्यक्तिगत फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। इसके साथ ही भारत का शूटिंग अभियान 15 मेडल के साथ समाप्त हो गया। अनीश का स्कोर अन्य शूटर्स के साथ 11 पर टाई हुआ, लेकिन क्वालिफिकेशन में कम रैंकिंग के कारण 'काउटबैक' नियम से वे बाहर हो गए और सातवें स्थान पर रहे। एशियन गेम्स में भारतीय शूटर्स ने तीन गोल्ड, आठ सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना अभियान खत्म किया। अनीश ने क्वालिफिकेशन राउंड में 576-17x के स्कोर के साथ 9वां स्थान हासिल करने के बावजूद पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। टॉप आठ में साउथ कोरिया के तीन शूटर्स शामिल थे, लेकिन फाइनल में प्रति एनओसी (नेशनल ओलंपिक कमेटी) केवल दो शूटर्स को ही अनुमति होती है, जिससे अनीश के लिए आठवां और अंतिम क्वालिफाइंग स्थान हासिल करने का रास्ता साफ हो गया।



मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने पुरुषों के स्किफ इवेंट में सिल्वर जीता

गामागोरि खिटी। एशियन गेम्स में भारत ने सेलिंग में अपना पहला मेडल जीता। गुरुवार को पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल ने सिल्वर मेडल हासिल किया। नौ रेस के बाद वे चीन की जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। भारतीय जोड़ी ने 23 पॉइंट्स के साथ रेगाटा (सेलिंग प्रतियोगिता) खत्म किया। चीन की जोड़ी, वैन जाइजिंग और लियू तियान ने 16 पॉइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो भारतीय जोड़ी से चार पॉइंट्स कम थे। हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयल्सवर्थ 24 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फ्रांसिस और नोबल का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा। उनका सबसे अच्छा नतीजा तीसरी रेस में आया, जिसे उन्होंने जीता। भारतीय सेलर्स ने रेस 3 जीती और रेस 1, 5 और 9 में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रेस में उन्होंने कुल 29 पॉइंट्स हासिल किए। रेस 8 में छठे स्थान पर रहने के नतीजे को हटाकर उनका नेट स्कोर 23 रहा।

महिला स्क्वैश टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल, सेमीफाइनल में हांगकांग से मिली हार

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। हालांकि, टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ हार 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।



सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया।



एशियन गेम्सः पाकिस्तान को 4-3 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत ने मारे 2 गोल

फाइनल में भारतीय हॉकी टीम

काकामिगहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान को एक रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से हराया। मौजूदा चैंपियन ने अब एक और मेडल पक्का कर लिया है। पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया यह सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और मैच के अधिकांश समय में भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा था। मैच के आखिरी हाफ में पाकिस्तान ने जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी मिनट में अभिषेक के किए गोल ने न सिर्फ पाकिस्तान पर भारत को जीत दिलाई बल्कि एशियन गेम्स 2026 के फाइनल का टिकट भी दिलाया। भारत 3-0 की बढ़त के साथ आसान जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने वापसी करते हुए आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अभिषेक ने आखिरी मिनट में निर्णायक गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिलाई और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

पुरुष वॉलीबॉल क्वार्टर फाइनल में भारत को पाकिस्तान से मिली हार



ओकाजाकी। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम को गुरुवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही एशियन गेम्स में पदक जीतने का भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का 1986 से चला आ रहा इंतजार बरकरार है। पाकिस्तान ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में भारत को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पाकिस्तान वॉलीबॉल टीम ने 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला बराबरी का था। स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। इसके बाद पाकिस्तान ने पहले सेट में बढ़त बनानी शुरू की और लगातार पांच पॉइंट जीतकर 16-11 से आगे हो गया।

ग्रीको-रोमन रेसलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर

सुनील कुमार ने इतिहास रचा

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियॉरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए स्किल्ड खुक में नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बन गए हैं। हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोडियम पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनए स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर पकड़ बना ली और शुरुआती दांव-पेंच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई। सुनील ने ढील देने का कोई संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने एक और 'पैसिविटी' स्थिति का फायदा उठाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचे गिराकर बढ़त को 7-0 कर दिया, जिससे रॉबर्ट्स भारतीय खिलाड़ी के लगातार हमलों का जवाब खोजने के लिए संघर्ष करते दिखे।



इसके कुछ ही देर बाद मुकाबला खत्म हो गया। सुनील ने एक और स्कोरिंग मूव करते हुए दो और प्वाइंट्स हासिल किए और 'टेक्निकल सुपीरियॉरिटी' के लिए जरूरी नौ प्वाइंट्स के अंतर तक पहुंच गए, जिससे मुकाबले का शानदार अंत हुआ।

यह ब्रॉन्ज मेडल उनके करियर में एक और अध्याय जोड़ता है, जिसमें पहले से ही छह एशियन चैंपियनशिप मेडल शामिल हैं। अब सुनील कॉन्टिनेंटल गेम्स में एक से ज्यादा ग्रीको-रोमन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

एशियन गेम्स 2026: श्रीलंका को 124 रन से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत

गोल्ड के लिए भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान



जापान। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 124 रन के बड़े अंतर से हराया। अब गोल्ड मेडल के लिए भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 6 विकेट से मात देकर फाइनल का टिकट कटाया। भारत ने बनाए 169 रन निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में श्रीलंका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने महज 21 गेंदों में 38 रन बनाकर टीम के स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया।

45 रन पर ढेर हुई श्रीलंका की टीम

170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की पारी भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह लड़खड़ा गई। पूरी टीम महज 9.5 ओवर में 45 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के 6 बल्लेबाज अपना खाता तक नहीं खोल सके। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के चलते श्रीलंकाई बल्लेबाज टिक नहीं सके और भारत ने मुकाबला 124 रन से अपने नाम कर लिया।

ईशान किशन की दमदार पारी

एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत श्रीलंका से हो रही है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 3 गेंदों में महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद संजू सैमसन भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 9 गेंदों में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे। कप्तान श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा और वह 13



रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, प्लेइंग इलेवन में लौटे वैभव सूर्यवंशी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 21 गेंदों में 38 रनों की अहम पारी खेली। वैभव ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। वैभव के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन ने संभाला। दूसरे छोर से भारतीय टीम विकेट गंवाती रही, लेकिन ईशान क्रीज पर डटे रहे। उन्होंने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। फिफ्टी पूरा होने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपना अंदाज बदला और उन्होंने अगली 13 गेंदों में 30 रन बनाए। ईशान 46 गेंदों में 80 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 4 चौके और 5 छक्के लगाए।

अक्षर पटेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 13 गेंदों का सामना करने के बावजूद सिर्फ 8 रन ही बना सके। उकसान तिलक वर्मा 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि शिवम दुबे महज 3 रन बनाकर थिंदु रत्नायके का शिकार बने। वॉशिंगटन सुंदर 3 गेंदों में 7 रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई

निशिन। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को सेमीफाइनल में 6 विकेट से हराकर एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। बारिश की वजह से गीले आउटफील्ड के कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में 20 ओवर की जगह 13 ओवर का मैच खेला गया। पाकिस्तान को जीत के लिए 112 रन का लक्ष्य मिला था। पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम के कप्तान और खलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। महज सदकत 7 गेंदों पर 15 और उस्मान खान 9 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सईम अयूब ने 12 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 21 रन बनाकर लक्ष्य हासिल करने की गति बरकरार रखी।



'हालात बिल्कुल भी अच्छे नहीं थे'

बांग्लादेश क्रिकेट टीम को एशियन गेम्स 2026 के पुरुष सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास हार से निराश नजर आए। दास ने हार की वजह एशियाई खेलों में तैयारी और गेम टाइम की कमी को बताया। हार के बाद पत्रकारों से बात करते हुए लिटन ने कहा, 'हालात बिल्कुल भी अच्छे नहीं थे। हम कई दिनों से अपने कमरों में बैठे थे, फिर टॉस भी हार गए, इसलिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे। पिच को समझना भी मुश्किल था। अगर हम अच्छा खेलते तो बेहतर होता, लेकिन इतने लंबे समय तक खाली बैठे रहने के बाद अचानक मैदान पर आकर शानदार पारी खेलना आसान नहीं होता। हमें इस स्थिति से उबारने का श्रेय हृदोय को जाता है।



गुवाहाटी में 'गरजा' गिल का बल्ला

'दोहरे शतक' के साथ वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा, वनडे सीरीज में भारत की अजेय बढ़त



गुवाहाटी। कप्तान शुभमन गिल की डबल सेंचुरी के दम पर भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बारसापरा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम किया। बुधवार को खेले गए इस मैच में दमदार जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 405 रन बनाए। इस टीम को 37 के स्कोर पर कीसी कार्टी (9) के रूप में पहला झटका लग गया था, जिसके बाद जॉन कैंपबेल ने शाई होप के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रन जोड़ते हुए टीम को 147 के स्कोर तक पहुंचा दिया। कैंपबेल 68 गेंदों में 5 छक्कों और 9 चौकों के साथ 101 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान शाई होप ने आमिर जंगू के साथ 131 गेंदों में 182 रन जोड़कर टीम को 300 के पार पहुंचा दिया।

होप 94 गेंदों में 104 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे, जबकि आमिर 77 गेंदों में 3 छक्कों और 13 चौकों के साथ 114 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, रोस्टन चेज ने 29 रन की नाबाद पारी खेली।

भारत के लिए मुहम्मद सिराज, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में भारत ने 43.3 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 158 गेंदों में 255 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

रोहित 75 गेंदों में 6 छक्कों और 10 चौकों के साथ 101 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद गिल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 65 रन जुटाकर टीम को 300 के पार पहुंचा दिया।

यहां से गिल ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 68 गेंदों में 86 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। गिल 133 गेंदों में 223 रन बनाकर नाबाद रहे।

एशियन गेम्स के फाइनल में कैसा रहा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, पाकिस्तान के खिलाफ 'वर्चस्व' बरकरार रखने की चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय मेंस क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। श्रीलंका को सेमीफाइनल में 124 रनों से रौंदकर टीम इंडिया अब फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी। भारतीय टीम को एशियन गेम्स के फाइनल में खेलने का मौका अब तक एक बार भी नहीं मिला है। पिछले एशियन गेम्स में टीम इंडिया ने फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन वो मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम को विजेता घोषित करते हुए गोल्ड मेडल दिया गया था। अफगानिस्तान ने इस मैच में 18.2 ओवर बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 112 रन बनाए थे। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे और रवि बिश्नोई एक-एक विकेट निकालने में सफल रहे थे।



महानदी विवाद के समाधान की दिशा में बड़ी पहल

महानदी हमें बांटने वाली नहीं, दोनों राज्यों को जोड़ने वाली जीवनधारा
समाधान ऐसा हो जिसमें दोनों राज्यों की जीत हो: मुख्यमंत्री साय

एक सत बुलेटिन, रायपुर

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल विवाद के सौहार्दपूर्ण और स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में कर्तव्य भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी ने महानदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अपने-अपने राज्यों का पक्ष रखा। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिव सहित केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बैठक में छत्तीसगढ़ का पक्ष रखते हुए कहा कि महानदी केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि दोनों राज्यों की सभ्यता, संस्कृति, कृषि और जनजीवन से जुड़ी जीवनधारा है। महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा को बांटने वाली नहीं, बल्कि दोनों राज्यों को जोड़ने वाली नदी है। इसलिए इसका समाधान भी प्रतिस्पर्धा या टकराव के बजाय सहयोग, विश्वास और सहमति की भावना से निकलना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास ऐसा समाधान निकालने का होना चाहिए जिसमें दोनों राज्यों और वहां के नागरिकों के हित सुरक्षित हों। छत्तीसगढ़ न्यायपूर्ण, निष्पक्ष, वैज्ञानिक, पारदर्शी और दीर्घकालिक समाधान का पक्षधर है। ऐसा समाधान दोनों राज्यों के किसानों, आम नागरिकों और आने वाली पीढ़ियों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में होता है और इसके जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा प्रदेश में स्थित है। राज्य में कृषि, सिंचाई, पेयजल और विशेष रूप से आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों की विकास आवश्यकताएं महानदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए किसी भी स्थायी समाधान में छत्तीसगढ़ की इन वास्तविक आवश्यकताओं का समुचित ध्यान रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ अपने हितों की बात करते हुए ओडिशा की आवश्यकताओं और हितों का भी पूरा सम्मान करता है। हीराकुंड ओडिशा की जीवनरेखा है



और छत्तीसगढ़ उसके महत्व को भलीभांति समझता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हीराकुंड जलाशय के हितों और उसके सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल जैसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन को साझी समृद्धि का माध्यम बनाना चाहिए। दोनों राज्यों के बीच ऐसा तंत्र विकसित हो, जिसमें जल उपलब्धता, आवश्यकता और उपयोग से संबंधित तथ्य पारदर्शी ढंग से साझा हों और वैज्ञानिक आधार पर निर्णय लिए जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने महानदी जल विवाद के समाधान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा की गई पहल का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मध्यस्थता में दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक संवाद से आपसी सहमति का रास्ता निकलने की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। आज राज्यों के बीच वर्षों से लंबित विषयों को संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयास भी सहकारी संघवाद और राष्ट्रीय एकता की इसी भावना को मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच जल संबंधी प्रश्नों का सौहार्दपूर्ण समाधान राज्यों के बीच विश्वास, सहयोग और भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप राज्यों और केंद्र के बीच समन्वय से जटिल विषयों पर समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का वातावरण बना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महानदी से संबंधित विषय में भावनाओं के साथ वैज्ञानिक तथ्यों का भी उतना ही महत्व है। छत्तीसगढ़ को केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की मध्यस्थता तथा केंद्रीय जल आयोग के निष्पक्ष, वैज्ञानिक और पारदर्शी तकनीकी आकलन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि जल उपलब्धता, वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं, सिंचाई, पेयजल, पर्यावरणीय जरूरतों और दोनों राज्यों की विकास संबंधी आवश्यकताओं का समग्र अध्ययन करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। तकनीकी स्तर पर तथ्य स्पष्ट होंगे और राजनीतिक स्तर पर संवाद एवं विश्वास कायम रहेगा तो निश्चित रूप से ऐसा समाधान निकल सकता है, जो दोनों राज्यों को स्वीकार्य हो और आने वाली पीढ़ियों के हित में भी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों राज्यों के परामर्श और केंद्र सरकार की मध्यस्थता से जो न्यायसंगत एवं व्यावहारिक समाधान सामने आएगा, छत्तीसगढ़ उसे सकारात्मक भावना से आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग करेगा। बस्तर की तरह दृढ़ इच्छाशक्ति और समन्वय से समाधान की दिशा में बढ़ने का विश्वास मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने केंद्र और राज्य के बीच मजबूत समन्वय के सकारात्मक परिणामों को बस्तर में करीब से देखा है। नक्सलवाद जैसी दशकों पुरानी चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा, विकास और जनविश्वास को साथ लेकर जिस समन्वित दृष्टिकोण से काम किया गया, उससे बस्तर में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जटिल और लंबे समय से लंबित विषयों में भी जब स्पष्ट इच्छाशक्ति, निरंतर संवाद और सभी पक्षों के बीच विश्वास हो, तो समाधान की दिशा में निर्णायक प्रगति संभव है। महानदी के विषय पर भी इसी सकारात्मक भावना से दोनों राज्य आगे बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों पड़ोसी राज्यों के लोगों के बीच आत्मीय संबंध सदियों पुराने हैं।

राजनीतिक कुण्ठा से ग्रस्त कांग्रेस अब विकास योजनाओं को लेकर भी भ्रम फैला रही: शिवनारायण पाण्डेय



एक सत बुलेटिन, रायपुर

रायपुर विकास प्राधिकरण की विकास योजना को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। वहीं आरडीए उपाध्यक्ष डॉ. जे.पी. शर्मा ने भू-खण्डों के विस्थापन और आवंटन की प्रक्रिया को नियमानुसार बताया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने गुरुवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि कांग्रेस विकास योजनाओं पर तथ्यहीन विवाद खड़ा कर जनता के बीच भ्रम का वातावरण बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि रायपुर में विकास योजनाओं के तहत भू-अर्जन और भू-खण्डों के पुनर्व्यवस्थापन की प्रक्रिया नई नहीं है। उनके अनुसार, विकास योजनाओं में भू-स्वामियों को निर्धारित नीति के तहत विकसित क्षेत्र में भू-खण्ड दिए जाते हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि प्रस्तावित मार्ग से शहर की कनेक्टिविटी और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने का उद्देश्य है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा मंत्री केदार कश्यप की पत्नी की कंपनी से जुड़ी जमीन को लेकर लगाए गए आरोपों पर कहा कि संबंधित जमीन पहले से मौजूद थी और बाद में मास्टर प्लान के तहत विकास योजना में शामिल हुई। उनके मुताबिक, भू-खण्डों का आवंटन केवल किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं किया गया है, बल्कि कई भू-स्वामियों की जमीनों का पुनर्व्यवस्थापन किया गया है। उन्होंने दावा किया कि 17 ऐसे भू-स्वामी हैं, जिनकी बड़ी या अलग-अलग स्थानों पर जमीनें थीं और उन्हें योजना के तहत व्यवस्थित तरीके से भू-खण्ड आवंटित किए गए। पाण्डेय ने कहा कि बड़े भू-खण्डों को ऐसी जगह देने की नीति है, जहां भविष्य में व्यावसायिक उपयोग की स्थिति में परिवहन और आवागमन प्रभावित न हो। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस द्वारा जमीन की कीमत को लेकर लगाए गए आरोपों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसी क्षेत्र में सड़क, परिवहन और अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास होने के बाद जमीन का मूल्य बढ़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कांग्रेस से इस संबंध में लगाए गए मूल्यांकन के आधार को स्पष्ट करने की मांग की।

कोहकापाल में 12 वर्षीय बच्चे को तांत्रिक क्रियाओं में शामिल करने का आरोप

जगदलपुर। बस्तर जिले की बकावंड तहसील अंतर्गत ग्राम कोहकापाल में 12 वर्षीय बच्चे को कथित तांत्रिक क्रियाओं में शामिल किए जाने का मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के बाहर जंगल में जमीन के अंदर दबे कथित धन, जिसे स्थानीय स्तर पर 'हंडा' कहा जाता है, को निकालने के लिए तांत्रिक गतिविधियां की जा रही थीं और इसी दौरान बच्चे को निशाना बनाया गया और उसकी बलि देने की तैयारी की गई थी। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, बच्चे की आंखों पर करीब तीन दिनों तक पट्टी बांधकर उसे अलग-अलग तांत्रिक क्रियाओं में शामिल किया गया। ग्रामीणों का दावा है कि कथित रूप से गड़े धन को हासिल करने के लिए बच्चे की बलि देने की तैयारी की जा रही थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद ग्रामीण कथित तांत्रिक और उसके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर नगरनार थाना पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि थाना स्तर पर उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया। इतना ही नहीं, ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि उनके द्वारा दिए गए आवेदन को फाड़ दिया गया।

खनिजों के अवैध खनन और भंडारण की रोकथाम पर टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर होगी प्रभावी कार्यवाही, जुर्माना नहीं भरने पर वाहन और संपत्ति की नीलामी के निर्देश

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के संबंध में न्यायालय और एनजीटी के निर्देशों का पालन करते हुए जिले में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध खनन रोकने के अलावा वैध खदानों में ओवरलोड वाहनों की भी रोकथाम किया जाना है और निर्देश दिए कि यदि अवैध पटिए लगाकर कोई वाहन खनिज का परिवहन करते पाया जाए तो उस पर कार्यवाही की जाएगी। प्रकरण दर्ज होने पर यदि जुर्माना नहीं भरा जाता है तो अवैध गतिविधि में प्रयोग किए गए वाहन की और संबंधित व्यक्ति की अचल संपत्ति की नीलामी की



जाएगी। उन्होंने कहा कि खनिजों के अनाधिकृत भंडारण का कानूनी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राजस्व और पुलिस बल को बिना नंबर प्लेट के वाहनों और गैर-अनुमति के वाहनों पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावी कार्यवाही के लिए पर्याप्त संख्या में अमला, नाइट कैमरा और बैरियर जैसे उपकरणों की आवश्यकता होने पर इसकी मांग की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध खनन पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के अलावा काला धन उत्पन्न कर समाज को भी आर्थिक हानि पहुंचाता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अवैध खनन संबंधी गतिविधियों की वरिष्ठतम स्तर से निगरानी की जा रही है इसलिए इनकी रोकथाम और नियंत्रण के कार्यों को बिना किसी दबाव में आकर गंभीरता से लिया जाना है। पुलिस बल की कमी या कोई अन्य कठिनाई होने पर पहले से ही अवगत कराया जाए। हितधारकों को अवगत कराया जाए कि उत्खनन, परिवहन और भंडारण से जुड़ी नियम-विरुद्ध गतिविधियों पर किसी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी। जिले में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम और नियंत्रण पर गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स की कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में ये निर्देश दिए गए। बैठक में वनमण्डलाधिकारी, एसडीएम, एसडीओपी, खनिज अधिकारी, और थाना प्रभारी उपस्थित थे।

सहायक संचालक कृषि ने आलमपुर में कृषि प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण, 4 कृषि प्रतिष्ठानों को किया शील्ड, एक को नोटिस

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

किसानों को गुणवत्ता युक्त आदान सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप संचालक कृषि श्री रामसुजान शर्मा के निर्देश पर आलमपुर में कृषि प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें जिला से सहायक संचालक कृषि श्री संजीव चतुर्वेदी, एईओ लहार श्री विष्णु शर्मा, एईओ श्री अनूप जाटव सम्मिलित हुए। आलमपुर में निरीक्षण दल को देखकर कुछ दुकानों को बंदकर भाग गए, जिस पर दल ने तिरुपति ट्रेडर्स, जय महाकाल ट्रेडर्स आलमपुर, शिवहरे खाद बीज भण्डार आलमपुर, शर्मा ट्रेडर्स आलमपुर दुकानों को लाइसेंस में विहित शर्तों



की अव्हेलना पर शील्ड कर तीन दिन का समय दस्तावेज प्रस्तुत हेतु लेख कर चपड़ी लगाई। इनमें से श्री कृष्ण ट्रेडर्स ने बाद में दल के समक्ष उपस्थित होकर निरीक्षण कराया, जिसके लिए उन्हें नोटिस जारी किया गया और सैंपल लिया गया। जिले में किसानों के हित को दृष्टिगत रखते हुए सघन अभियान सतत जारी है। अनियमितता पाए जाने पर प्राथमिकी और लाइसेंस निलंबन तथा निरस्ती की कार्यवाही की जा रही है।

स्वच्छता का संदेश: डीआरएम दयानंद ने अधिकारियों के साथ किया श्रमदान

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में स्वच्छता पखवाड़े के तहत बुधवार को मंडल के विभिन्न स्टेशनों, पीपी यार्ड, कार्यशालाओं, रेलवे कॉलोनियों और रेलवे ट्रैक के आसपास व्यापक श्रमदान अभियान चलाया गया। मंडल में 1 से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न थीम पर स्वच्छता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ श्रमदान कर अभियान में सहभागिता की। इस दौरान बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। रायपुर, भिलाई और भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता शपथ के साथ यात्रियों के साथ 'अमृत संवाद' भी किया गया। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ शपथ दिलाई गई और कपड़े से बने बैग वितरित किए गए। समाजसेवी शुभांगी आप्टे ने कपड़े के बैग उपलब्ध कराने में सहयोग किया। रायपुर रेलवे स्टेशन पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. सुस्कर विपुल विलासराव के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग, परिचालन विभाग और स्वच्छता कर्मियों ने स्टेशन परिसर में श्रमदान किया। इसी तरह मंडल के अन्य स्टेशनों, कार्यशालाओं, पीपी यार्ड, रेलवे कॉलोनियों और ट्रैक के किनारे के क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में रेलवे अधिकारी-कर्मचारी, उनके परिवारजन, गणमान्य नागरिक, स्वयंसेवी संस्थाएं और सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग स्तर पर श्रमदान किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 'सियान सेवा महाकुंभ' में शामिल हुए सांसद

जिस घर में सियान का सम्मान, वहाँ कभी नहीं आती विपत्ति: बृजमोहन

एक सत बुलेटिन, रायपुर

सेवा संकल्प अभियान एवं अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रायपुर में आयोजित 'सियान सेवा महाकुंभ' में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों (सियान मन) से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया तथा उन्हें व्हीलचेयर, वॉकिंग स्टिक और श्रवण यंत्र वितरित कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, रायपुर की जनता और सियानों का ही आशीर्वाद है कि आपने मुझे 40 वर्षों से अपना स्नेह दिया–8 बार विधायक, 5 बार मंत्री और अब 9वीं बार सांसद बनाकर सेवा का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि जिस घर में सियान रहते हैं और जहाँ उनका आदर-सम्मान होता है, वहाँ कभी कोई विपत्ति नहीं आ सकती। जीवन में जब भी कोई परेशानी आती है, तो बुजुर्गों का अनुभव ही सही रास्ता दिखाता है और समस्या का समाधान करता है। आज के एकल परिवारों में जो लोग अपने माता-पिता और बुजुर्गों का आदर नहीं करते, वे अंततः कष्ट पाते हैं। हम मंदिरों में भगवान की पूजा करने जाते हैं, जबकि घर के बुजुर्ग साक्षात भगवान स्वरूप हैं; उनकी सेवा और पूजा करने से परिवार की



प्रतिष्ठा और सुख-समृद्धि बढ़ती है। अग्रवाल ने पूर्ववर्ती डॉ. रमन सिंह सरकार के कार्यकाल का स्मरण कराते हुए कहा कि बुजुर्गों के प्रति इसी आदर भाव के कारण उनके मंत्री कार्यकाल के दौरान तीर्थ यात्रा योजना शुरू की गई थी, जिसके माध्यम से हजारों बुजुर्गों को तिरुपति, केदारनाथ, बद्रीनाथ और काशी विश्वनाथ जैसे पवित्र धामों के दर्शन कराए गए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को जन्मदिन से लेकर 17 अक्टूबर को उनके संवैधानिक पद (मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री) पर जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। श्री मोदी जैसे प्रधानमंत्री देश को पहले कभी नहीं मिले, जो गांव, गरीब, किसान, नौजवान, मातृशक्ति, दिव्यांग और बुजुर्ग–सभी वर्गों की समान चिंता कर विकास कार्य कर रहे हैं। इस महाकुंभ के जरिए सभी सियान प्रधानमंत्री को स्वस्थ, प्रसन्न और दीर्घायु रहने का आशीर्वाद दे रहे हैं। सांसद ने कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों से जुड़ी नई योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए बताया कि 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए विशेष कार्ड की व्यवस्था की जा रही है, जिससे वे पूरे देश में बस भ्रमण की सुविधा का लाभ ले सकेंगे। साथ ही उन्होंने श्रम विभाग की योजनाओं का जिक्र करते हुए सियानों से पंजीयन कराने का आग्रह किया, जिसमें 60 वर्ष से अधिक आयु के पात्र बुजुर्गों को 1500 मासिक पेंशन और 59 से 60 वर्ष के बीच के पात्र श्रमिकों को 20,000 की एकमुश्त सहायता का प्रावधान है।

संगठन और कार्यकर्ताओं की सक्रियता से 'मन की बात' में लोगों की सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

बूथ से प्रदेश स्तर तक सतत संवाद और समन्वय संगठन की मजबूती का मूल आधार: खण्डेलवाल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी व सांसद बिप्लब कुमार देब, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश सह प्रभारी श्रीमती रेखा वर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों एवं मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक को संबोधित किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि संगठन की सक्रियता का असर अब बूथ स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। 'मन की बात' कार्यक्रम में बूथ स्तर की सहभागिता में पिछले कुछ महीनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अभी तक बेहतर कार्य किया गया है। आगामी कार्यक्रमों को भी बेहतर करने के लिए कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री, प्रदेश प्रभारी व सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा का संगठन मजबूत, सक्रिय और व्यापक है। संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की एकजुटता के कारण कांग्रेस हमारे मुकाबले में नहीं है। कांग्रेस संगठन लगातार कमजोर हो रहा है और वहां असंतोष एवं टूट की स्थिति दिखाई दे रही है। विपक्षी दलों के पास जनता के विकास और प्रदेश के भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट विजन नहीं है। पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश सह प्रभारी श्रीमती रेखा वर्मा ने कहा कि भाजपा मध्यप्रदेश में अपने कार्यकर्ताओं की मेहनत से पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी। सभी कार्यकर्ता संगठन के मार्गदर्शन को प्राथमिकता देते हुए संगठन की मजबूती के लिए कार्य करें। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का संगठन मजबूत और सक्रिय है। प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद देश में विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। गांधी जयंती पर खादी और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश देना जन-जन पहुंचाना हमारा लक्ष्य है ।

सेवा संकल्प अभियान भी सफलता पूर्वक जारी - हेमंत खण्डेलवाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के लिए जिला, मंडल और बूथ स्तर तक नियमित बैठक, प्रवास और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद सुनिश्चित किया गया है। जिलों और संभागों की बैठकों का कार्यक्रम तय किया गया है। प्रदेश के पदाधिकारी जिलों में पहुंचकर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा कर रहे हैं और कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर रहे हैं। संगठन की सक्रियता का असर अब बूथ स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम में बूथ स्तर की सहभागिता में पिछले कुछ महीनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अभी तक मध्यप्रदेश में बेहतर कार्य हो रहे है। उन्होंने कहा कि मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्रों और बूथ की टोली के साथ नियमित बैठकें करें तथा शक्ति केंद्र प्रभारी और बूथ टोली के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करें। इसी व्यवस्था के माध्यम से संगठन की गतिविधियों को नीचे तक और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। बैठक में जिन विषयों पर बातचीत हुई उन्हें बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

सरकार आपके द्वार शिविरों में किसान, श्रमिक महिला और युवा सहित सभी वर्गों पर फोकस



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

सेवा सेतु अभियान- ''सरकार आपके द्वार'' कार्यक्रम के तहत विकासखंड और नगरीय क्षेत्रों में 3 और 4 अक्टूबर को आयोजित होने वाले शिविरों में हितग्राहियों को विभागवार योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ देने के लिए निर्देश दिए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश अनुसार ''सरकार आपके द्वार'' कार्यक्रम में राजस्व विभाग की स्वामित्व योजना - स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना 2026, सभी पात्र किसानों की फार्मर आई.डी. निर्माण, अविवादित नामांतरण/ बंटवारा/ सीमांकन, समाधान एक दिवसीय योजना - आय प्रमाण पत्र/ स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र/ खसरा/ नक्शा आदि, बी.पी.एल, ष्ट.रू ।द्दद्यश्चद्यद्बठ्ठद्द अंतर्गत शिकायतों का मौके पर निराकरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना एवं मुख्यमंत्री किसान सम्मान योजना का लाभ दिया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), रोजगार पंजीकरण / जॉब कार्ड और रोजगार की मांग एवं प्रधानमंत्री पोषण अभियान शामिल है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग की आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की पीएम स्वनिधि - रेहड़ी-पटरी वालों (स्ट्रीट वेंडर्स) के लिए ऋण/आवेदन में सहायता एवं अन्य योजनायें भी लाभ शामिल है।

आईओटी आधारित रिमोट फिजियोस से विशेषज्ञ कर रहे हैं मरीजों की एक्सरसाइज की लाइव निगरानी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



तकनीक का उपयोग जब मानवीय संवेदनाओं और जनसेवा के उद्देश्य से किया जाता है, तो वह लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। भोपाल के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. अनंत सिंह गौर और डॉ.अनुभा सिंघई द्वारा शुरू किया गया स्टार्टअप 'रिमोट फिजियोस' इसका प्रेरक उदाहरण है। इस नवाचार से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों, बुजुर्गों और दिव्यांगजन को घर बैठे क्लीनिक स्तर की फिजियोथेरेपी सेवाओं का लाभ मिल रहा है। डॉ. अनंत सिंह गौर और डॉ. अनुभा सिंघई पिछले 18 वर्षों से फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हैं। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने अनुभव किया कि बड़ी संख्या में मरीज दूरी, आवागमन की कठिनाई और उपचार पर होने वाले खर्च के कारण फिजियोथेरेपी बीच में ही छोड़ देते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों, बुजुर्गों, दिव्यांगजन तथा सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे लोगों के लिए नियमित रूप से फिजियोथेरेपी सेंटर तक पहुंचना कठिन होता है। कोविड काल में यह समस्या और अधिक स्पष्ट रूप से सामने आई। इसी दौरान डॉ. गौर ने संकल्प लिया कि दूरी अथवा संसाधनों की कमी के कारण कोई भी मरीज आवश्यक फिजियोथेरेपी से वंचित न रहे। इस सोच से 'रिमोट फिजियोस' स्टार्टअप की शुरुआत हुई, जिसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से मरीजों को उनके घर पर ही प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट की सेवाएं उपलब्ध कराना है।'रिमोट फिजियोस' के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित उपकरण तैयार किए गए हैं। इनकी सहायता से सैकड़ों किलोमीटर दूर मौजूद फिजियोथेरेपिस्ट भी वीडियो माध्यम से मरीज की एक्सरसाइज और उपचार प्रक्रिया की लाइव निगरानी कर सकता है।

सचखंड एक्सप्रेस में लगाया जाएगा एक अतिरिक्त स्लीपर कोच

भोपाल। रेल यात्रियों की सुविधा तथा वेटिंग लिस्ट के यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 12715 नांदेड-अमृतसर सचखंड एक्सप्रेस में अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाया जाएगा। गाड़ी संख्या 12715 नांदेड-अमृतसर सचखंड एक्सप्रेस में 01 अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाया जाएगा। यह अतिरिक्त कोच 11 नवंबर 2026 एवं 18 नवंबर 2026 को गाड़ी में जोड़ा जाएगा। अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाने से उक्त तिथियों में यात्रा करने वाले वेटिंग लिस्ट के यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध हो सकेंगी। इससे यात्रियों को कन्फर्म बर्थ मिलने की संभावना बढ़ेगी तथा उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी। वेटिंग लिस्ट को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर रेलगाड़ियों में अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं।

छात्रों ने बनाया स्मार्ट व्हीलचेयर 'आरोग्य रथ' तकनीक से दिव्यांगजनों की जिंदगी आसान बनाने की पहल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



विज्ञान के प्रति जिज्ञासा रखने वाले एक लेखक के रूप में जब विज्ञान मेले में विद्यार्थियों से मिलने का अवसर मिला, तो उनके प्रोजेक्ट से कहीं अधिक उनके भीतर छिपी सोच और संवेदनशीलता ने ध्यान आकर्षित किया। 'आरोग्य रथ' प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान जिस आत्मविश्वास, ऊर्जा और सहकारिता के भाव के साथ वे अपने मॉडल की जानकारी साझा कर रहे थे, वह वास्तव में प्रशंसनीय था। बच्चों के प्रयासों को दिशा देने और उनका मनोबल बढ़ाने में उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका का सहयोग भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। तकनीक और नवाचार को यदि मानवीय संवेदनाओं से जोड़ दिया जाए, तो विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रहता, बल्कि किसी के जीवन को आसान बनाने का माध्यम बन जाता है। इसी सोच का उदाहरण प्रस्तुत किया है सेंट जोसेफ्स को-एड स्कूल, एरिया कॉलोनी के विद्यार्थियों ने, जिन्होंने एक आधुनिक स्मार्ट व्हीलचेयर तैयार की है और इसे नाम दिया है–'आरोग्य रथ'। इस अभिनव परियोजना को तैयार करने वाले विद्यार्थियों में आराध्य सिंह रघुवंशी, शिखर प्रताप सिंह, आरोही चौरसिया और सुकृत द्विवेदी शामिल हैं। 'आरोग्य रथ' को सामान्य व्हीलचेयर से अलग बनाने के लिए विद्यार्थियों ने इसमें आधुनिक तकनीक और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न उपकरणों को शामिल करने का प्रयास किया है। इसका उद्देश्य ऐसे उपयोगकर्ताओं के आवागमन को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने में सहायता करना है, जिन्हें व्हीलचेयर की आवश्यकता होती है। 'आरोग्य रथ' में आवाज नियंत्रण प्रणाली दी गई है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता आवाज के जरिए व्हीलचेयर को नियंत्रित करने का प्रयास कर सकता है। इसके साथ आपातकालीन एसओएस सुविधा भी रखी गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर सहायता के लिए सूचना भेजी जा सके। इसमें जीपीएस प्रणाली उपयोगकर्ता की स्थिति की जानकारी रखने में सहायता करती है, जबकि रिमोट नियंत्रण के माध्यम से व्हीलचेयर को नियंत्रित करने की सुविधा भी दी गई है।

रिफॉर्म उत्सव नागरिक-केंद्रित वाटरशेड विकास सुधारों को सीधे ग्रामीण समुदायों तक पहुंचाने की पहल

भोपाल। नागरिक-केंद्रित वाटरशेड विकास सुधारों को सीधे ग्रामीण समुदायों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार, भारत सरकार के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में रिफॉर्म उत्सव का आयोजन करने जा रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और स्थानीय स्वामित्व को सुदृढ़ कर वाटरशेड विकास को एक जन आंदोलन का रूप देना है। इस अभियान को जन योजना अभियान सबकी योजना, सबका विकास के साथ एकीकृत किया गया है, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर, 2026 से ग्राम सभाओं के माध्यम से होगी। इसके तहत राज्य की 91 वाटरशेड विकास परियोजनाओं के अंतर्गत आने वाली लगभग 727 ग्राम पंचायतों में सुधारों और तकनीकी जानकारियों का प्रसार किया जाएगा। इसके उपरांत राज्य, जिला तथा 40 परियोजना-स्तरीय स्थानों पर भी उत्सव की विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए प्रमुख नीतिगत सुधारों से किसानों को त्वरित व प्रभावी लाभ मिल रहा है। विकास कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मैदानी क्षेत्रों में वित्तीय आवंटन 12 हजार रूपये से बढ़ाकर 22 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तथा पहाड़ी व कठिन क्षेत्रों में 15 हजार रूपये से बढ़ाकर 28 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर किया गया है। साथ ही, कार्य को गति देने के लिए परियोजना की अवधि 7 वर्ष से घटाकर 5 वर्ष कर दी गई है। राष्ट्रीय स्तर पर विगत 12 वर्षों में लगभग 3.4 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भाजपा कार्यालय में सुनीं कार्यकर्ताओं की जनसमस्याएं

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं एवं सुझावों को सुनकर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जिन प्रकरणों में विभाग की कार्रवाई आवश्यक है, उन्हें शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त जनसमस्याओं का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर उसके समाधान का प्रयास किया जाएगा। आमजन की जनसमस्याओं का समाधान और उन्हें शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

केंद्रीय गृहमंत्री के भोपाल आगमन पर मार्ग/ यातायात व्यवस्था में परिवर्तन



भोपाल। दिनांक- 02 अक्टूबर 2026 को केंद्रीय गृहमंत्री भारत सरकार के भोपाल भ्रमण पर पधार रहे है मार्ग/यातायात एवं डायवर्सन व्यवस्था निम्नानुसार रहेगीः- माननीय गृहमंत्री के दिनांक- स्टेट हैंगर से होटल ताज तक आवागमन के दौरानः- 1-यात्री बसों का डायवर्सन व्यवस्था- - सीहोर, उज्जैन की ओर से आने-जाने वाली यात्री बसों का हलालपुर बस स्टैंड से आगे लालघाटी की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ये बसें हलालपुर बस स्टैंड पर समाप्त होंगी। राजगढ़-ब्यावरा मार्ग की ओर से हलालपुर बस स्टैंड आने-जाने वाली यात्री बसें मुबारकपुर बायपास तिराहा से खजूरी बायपास तिराहा से बैरागढ़ मार्ग होते हुए हलालपुर बस स्टैंड तक जा सकेंगी। राजगढ़-ब्यावरा मार्ग की ओर से नादरा बस स्टैंड आने-जाने वाली बसें मुबारकपुर बायपास तिराहा से गांधीनगर तिराहा, करोंद, बेस्ट प्राइज तिराहा, जे.पी. नगर तिराहा से नादरा बस स्टैंड की ओर आ-जा सकेंगी। 2-सभी प्रकार के मालवाहक, भारी, व्यावसायिक एवं अनुमति प्राप्त वाहन- (समय सांयः-06:00 बजे) भदभदा चौराहा से भारत माता चौराहा, स्मार्ट रोड होकर पॉलीटेक्निक चौराहा, कमलापार्क, रेतघाट, व्हीआईपी रोड, लालघाटी, गांधीनगर तिराहा तक आवागमन परिवर्तित रहेगा।

भारतीय स्टेट बैंक भोपाल मंडल ने चलाया स्वच्छता अभियान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**





'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल मंडल द्वारा शाहपुरा झील के समीप स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इस वर्ष के अभियान की थीम 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' है, जिसमें जनभागीदारी और स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी पर विशेष बल दिया गया है। अभियान में भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए शाहपुरा झील के आसपास स्वच्छता कार्य किया। इस दौरान क्षेत्र में एकत्रित कचरे को हटाया गया तथा आमजन को सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित निस्तारण करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल मंडल के मंडल प्रमुख श्री प्रभाष कुमार सुबुद्धि ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे हमारे व्यवहार, संस्कार और दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा। स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि *'स्वच्छता ही सेवा' का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हम स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए निरंतर प्रयास करें।* भारतीय स्टेट बैंक सदैव समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में अग्रणी रहा है और इस प्रकार के जनहितकारी अभियानों के माध्यम से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। भोपाल मंडल ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का संदेश दिया। अभियान में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। 'स्वच्छता में सहभाग–स्वच्छ भारत, विकसित भारत' के संकल्प के साथ भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल मंडल ने स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर भोपाल के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।



स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088